News Letter
मुक्त चिंतन
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित
A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj
हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां
03 दिसम्बर, 2019

'वैज्ञानिक अनुसंधान में सामाजिक आर्थिक प्रभाव का आंकलन' विषय पर

मुक्त विश्वविद्यालय में डॉ0 उन्नत पंडित का व्याख्यान

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में बुधवार 04 दिसम्बर को अपरान्ह 3.00 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में 'वैज्ञानिक अनुसंधान में सामाजिक आर्थिक प्रभाव का आंकलन' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया है। आयोजन सचिव डॉ0 श्रुति ने यह जानकारी देते हुये बताया कि व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ0 उन्नत पंडित, कार्यक्रम निदेशक, अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग, नई दिल्ली होंगे तथा अध्यक्षता कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह करेंगे।

कार्यक्रम संयोजक डॉ0 आशुतोष गुप्ता ने इस महत्वपूर्ण व्याख्यान से सभी विद्याशाखा के निदेशकों, अधिकारियों, शिक्षकों एवं परामर्शदाताओं से लाभ लेने की अपील की है।

मुविवि में डा. उन्नत पंडित का व्याख्यान आज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में 04 दिसंबर को अपरान्ह 3 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में 'वैज्ञानिक अनुसंधान में सामाजिक आर्थिक प्रभाव का आंकलन' विषय पर व्याख्यान होगा। कार्यक्रम संयोजक डा. आशुतोष गुप्ता एवं आयोजन सचिव डा. श्रुति ने बताया कि व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डा. उन्नत पंडित कार्यक्रम निदेशक अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग नई दिल्ली होंगे तथा अध्यक्षता कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह करेंगे।

News Letter
मुक्त चिंतन
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित
A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj
हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां
04 दिसम्बर, 2019

'वैज्ञानिक अनुसंधान में सामाजिक आर्थिक प्रभाव का आंकलन' विषय पर व्याख्यान

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए एवं माँ सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए माननीय अतिथिगण।

वैज्ञानिक अनुसंधान एवं नवाचारों का उपयोग समाजहित में हो– डॉ0 पंडित

वंचितों तक पहुँचे अनुसंधान का लाभ : प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

मुविवि में 'वैज्ञानिक अनुसंधान में सामाजिक आर्थिक प्रभाव का आंकलन' विषय पर व्याख्यान

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में दिनांक 04 दिसम्बर, 2019 को अपरान्ह 3.00 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में 'वैज्ञानिक अनुसंधान में सामाजिक आर्थिक प्रभाव का आंकलन' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया है। व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ0 उन्नत पंडित, कार्यक्रम निदेशक, अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग, नई दिल्ली रहे तथा अध्यक्षता कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

आज इस अवसर पर उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं रिसर्च फार रिसर्जेन्स फाउन्डेशन, नागपुर के साथ शोध एवं शिक्षा के विविध आयामों पर कार्य करने के लिये अनुबन्ध हुआ। विश्वविद्यालय की तरफ से कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह एवं आर0ई0आर0एफ0 की तरफ से उसके ट्रस्टी डॉ0 उन्नत पंडित ने अनुबन्ध पत्र पर हस्ताक्षर किये। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता एवं आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र (आई0क्यू0ए0सी0) के निदेशक प्रो0 ओमजी गुप्ता इस अवसर पर गवाह बने। इसके तहत कार्यशालाएं, सेमिनार, संगोष्ठी एवं एक्शन ओरियन्टेशन सम्पन्न होगा।

कार्यक्रम संयोजक डॉ0 आशुतोष गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया । व्याख्यान माला का संचालन आयोजन सचिव डॉ0 श्रुति एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर सभी विद्याशाखा के निदेशक, अधिकारी, शिक्षक एवं परामर्शदाता आदि उपस्थित रहे।

व्याख्यानमाला का संचालन करती हुई कार्यक्रम सचिव डॉ0 श्रुति एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण।

सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय के शिक्षक, निदेशक, अधिकारी, छात्र–छात्रायें एवं कर्मचारीगण

सरस्वती वन्दना प्रस्तुत करती हुई डॉ0 रूचि बाजपेयी एवं डॉ0 श्रुति

व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ0 उन्नत पंडित जी तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत करती हुई डॉ0 दीपा चौबे एवं सुषमा पाठक।

अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम संयोजक प्रो0 आशुतोष गुप्ता

सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय के शिक्षक, निदेशक, अधिकारी, छात्र–छात्रायें एवं कर्मचारीगण

व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ0 उन्नत पंडित जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर

उनका सम्मान करते

कार्यक्रम संयोजक प्रो0 आशुतोष गुप्ता।

सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय के शिक्षक, निदेशक, अधिकारी, छात्र–छात्रायें एवं कर्मचारीगण

व्याख्यान देते हुए मुख्य वक्ता के रूप में डॉ0 उन्नत पंडित

वैज्ञानिक अनुसंधान एवं नवाचारों का उपयोग समाजहित में हो– डॉ0 पंडित

व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ0 उन्नत पंडित, कार्यक्रम निदेशक, अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग, नई दिल्ली ने कहा कि वैज्ञानिक अनुसंधान एवं नवाचारों का उपयोग समाज के निचले पायदान पर खडे, निर्धनता एवं विवशता का जीवन जी रहे लोगों के हित में होना चाहिये। बिना सामाजिक सरोकार के शोध की सार्थकता नहीं। डॉ0 पंडित ने कहा कि मई 2016 में नीति आयोग के अन्तर्गत अटल इनोवेशन मिशन की स्थापना हुई और इसके द्वारा 8878 संस्थानों का चयन किया गया। यह मिशन पूरे भारत में 90 प्रतिशत जिलों में आच्छादित है।

उन्होंने कहा कि इस समय देश की आवश्यता है कि अनुसंधान मौलिक एवं गुणवत्तापूर्ण तथा विश्वस्तरीय हो और समाज के लिए लाभकारी हो। अनुसंधानों की सामाजिक आधार पर उपयोगिकता का मूल्यांकन करते हुए प्रोत्साहन की नीति अपनाई जानी चाहिये और तकनीकी नवाचारों को देशहित में बढ़ावा दिया जाना चाहिये। डॉ0 पंडित ने कहा कि पाठ्यक्रम संरचना में अनुप्रयोगात्मक पक्ष को प्रमुखता मिलनी चाहिए ताकि नई से नई शोध प्रतिभाओं का विकास हो सके। शोध और मंथन के फलस्वरूप नवाचारों का उपयोग ही अटल इनोवशन का लक्ष्य है। शोध केवल प्रयोगशाला तक ही न सीमित रहे अपितु व्यावहारिक धरातल पर समस्याओं के समाधान में उसे समर्थ होना चाहिये। देश के कोने में फैले युवकों में शोध के द्वारा स्टार्टअप का भाव जगे एवं उसे यथार्थ के धरातल पर कार्यरूप दिया जाय यह भारत के नव निर्माण के लिए अपरिहार्य आवश्यकता है।

सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय के शिक्षक, निदेशक, अधिकारी, छात्र–छात्रायें एवं कर्मचारीगण

कार्यक्रम में बोलते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

वंचितों तक पहुँचे अनुसंधान का लाभ : प्रो0 कामेश्वर नाथ

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि नीति आयोग देश के अभाव को पूरा कर रहा है। नवाचारों और शोधात्मक नवोन्मेषों, आविष्कारों के माध्यम से व्यापक जन–समाज और देश हित के लिये इसकी आज बडी सजग भूमिका है। समाज के निचले पायदान तक खडे व्यक्तियों, वंचितों तक अनुसंधान और तकनीकी पहुंचे और उन्हें इसका लाभ मिल सके, नीति आयोग इस दिशा में कार्य कर रहा है, यह अत्यन्त सराहनीय है। विज्ञान के प्रयोगों और अनुसंधानों को कैसे व्यावहारिक धरातल पर कार्यरूप में परिणत किया जाए यह इस नीति आयोग के चिन्तन और कार्य पद्धति का प्रमुख विषय है।

कुलपति प्रो0 सिंह ने कहा कि संसाधन तो वस्तुतः मानव–मस्तिष्क में है बस उसके चिन्तन को प्रेरित करने की आवश्यकता है, उसके शोध को सही दिशा देने की आवश्यकता है, यह कार्य नीति आयोग कर रहा है। वैज्ञानिक व तकनीकी अनुसंधान आर्थिक दृष्टि से पुष्ट हो, पर्यावरणीय दृष्टि से भी प्रखर हो और सामाजिक दृष्टि से भी इतने प्रभावशाली हों कि समाज के निचले पायदान पर खडे व्यक्ति के काम आ सकें और स्थानीय आवश्यकताओं और अनिवार्यताओं को देखते हुए शोध कार्य किए जाए तभी उनकी सार्थकता है। इस दिशा में हमारा विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को अग्रसर करने हेतु कटिबद्ध है।

सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय के शिक्षक, निदेशक, अधिकारी, छात्र–छात्रायें एवं कर्मचारीगण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं रिसर्च फार रिसर्जेन्स फाउन्डेशन, नागपुर के साथ शोध एवं शिक्षा के विविध आयामों पर कार्य करने के लिये अनुबन्ध

अनुबन्ध पत्र पर हस्ताक्षर करते हुए
माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी
एवं
आर0ई0आर0एफ0 की तरफ से उसके ट्रस्टी
डॉ0 उन्नत पंडित जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं रिसर्च फार रिसर्जेन्स फाउन्डेशन, नागपुर के साथ शोध एवं शिक्षा के विविध आयामों पर कार्य करने के लिये अनुबन्ध हुआ। विश्वविद्यालय की तरफ से कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह एवं आर0ई0आर0एफ0 की तरफ से उसके ट्रस्टी डॉ0 उन्नत पंडित ने अनुबन्ध पत्र पर हस्ताक्षर किये। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता एवं आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र (आई0क्यू0ए0सी0) के निदेशक प्रो0 ओमजी गुप्ता इस अवसर पर गवाह बने। इसके तहत कार्यशालाएं, सेमिनार, संगोष्ठी एवं एक्शन ओरियन्टेशन सम्पन्न होगा।

गवाह के रूप में अनुबन्ध पत्र पर हस्ताक्षार करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता एवं आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र (आई0क्यू0ए0सी0) के निदेशक प्रो0 ओमजी गुप्ता ।

सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय के शिक्षक, निदेशक, अधिकारी, छात्र–छात्रायें एवं कर्मचारीगण

अनुबन्ध पत्र को हस्तगत करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं
आर0ई0आर0एफ0 की तरफ से उसके ट्रस्टी डॉ0 उन्नत पंडित जी

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता तथा सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय के शिक्षक, निदेशक, अधिकारी, छात्र–छात्रायें एवं कर्मचारीगण

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
गुरुवार, 05 दिसंबर 2019, प्रयागराज, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण
www.livehindustan.com

सामाजिक सरोकार बिना शोध सार्थक नहीं

प्रयागराज | निज संवाददाता

मुक्त विवि व रिसर्च फार रिसर्जेन्स फाउंडेशन के बीच एमओयू

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं रिसर्च फार रिसर्जेन्स फाउंडेशन, नागपुर के साथ शोध एवं शिक्षा के विविध आयामों पर कार्य करने के लिए एमओयू हुआ। विश्वविद्यालय की तरफ से कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह एवं डॉ. उन्नत पंडित ने अनुबन्ध पत्र पर हस्ताक्षर किए। कुलसचिव डॉ. अरूण कुमार गुप्ता एवं आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र के निदेशक प्रो. ओम जी गुप्ता मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में बुधवार को एकल व्याख्यान हुआ।

मुख्य वक्ता नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन कार्यक्रम के निदेशक डॉ. उन्नत पंडित ने कहा कि बिना सामाजिक सरोकार के शोध की सार्थकता नहीं है। उन्होंने कहा कि मई 2016 में नीति आयोग के अन्तर्गत अटल इनोवेशन मिशन की स्थापना हुई और इसके द्वारा 8878 संस्थानों का चयन किया गया। यह मिशन पूरे भारत में 90 प्रतिशत जिलों में आच्छादित है।

अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि नीति आयोग देश के अभाव को पूरा कर रहा है। नवाचारों और शोधात्मक नवोन्मेषों, आविष्कारों के माध्यम से व्यापक जन-समाज और देश हित के लिए इसकी आज बडी सजग भूमिका है। संयोजक डॉ. आशुतोष गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डॉ. श्रुति ने किया। इस अवसर पर सभी विद्याशाखा के निदेशक, अधिकारी, शिक्षक एवं परामर्शदाता आदि उपस्थित रहे।

UNITED ESTABLISHED 1951
संस्थापक स्व. श्री शिवरामदास गुलाटी
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
यूनाइटेड भारत
प्रयागराज, बृहस्पतिवार 05 दिसम्बर 2019- मूल्य 1.50 रुपया, पृष्ठ 8
RNI UP HIN/2001/2941 AD/227/09-15-17 वर्ष 19 ■ अंक-334

वैज्ञानिक अनुसंधान एवं नवाचारों का उपयोग समाज हित में हो : डॉ पंडित

प्रयागराज। वैज्ञानिक अनुसंधान एवं नवाचारों का उपयोग समाज के निचले पायदान पर खड़े, निर्धनता एवं विवशता का जीवन जी रहे लोगों के हित में होना चाहिये। बिना सामाजिक सरोकार के शोध की सार्थकता नहीं। उक्त विचार कार्यक्रम निदेशक, अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग नई दिल्ली के डॉ.उन्नत पंडित ने उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में बुधवार को आयोजित एकल व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मई २०१६ में नीति आयोग के अन्तर्गत अटल इनोवेशन मिशन की स्थापना हुई और इसके द्वारा ८८७८ संस्थानों का चयन किया गया। यह मिशन पूरे भारत में ९० प्रतिशत जिलों में आच्छादित है। उन्होंने कहा कि इस समय देश की आवश्यकता है कि अनुसंधान मौलिक एवं गुणवत्तापूर्ण तथा विश्वस्तरीय हो और समाज के लिए लाभकारी हो। अनुसंधानों की सामाजिक आधार पर उपयोगिकता का मूल्यांकन करते हुए प्रोत्साहन की नीति अपनाई जानी चाहिये और तकनीकी नवाचारों को देशहित में बढ़ावा दिया जाना चाहिये। पाठयक्रम संरचना में अनुप्रयोगात्मक पक्ष को प्रमुखता मिलनी चाहिए ताकि नई शोध प्रतिभाओं का विकास हो सके। शोध और मंथन के फैलस्वरूप नवाचारों का उपयोग ही अटल इनोवेशन का लक्ष्य है। देश के युवकों में शोध द्वारा स्टार्टअप का भाव जगे एवं उसे यथार्थ के धरातल पर कार्यरूप दिया जाय यह भारत के नव निर्माण के लिए अपरिहार्य आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि नीति आयोग देश के अभाव को पूरा कर रहा है।

https://twitter.com/SaharaRashtriya www.rashtriyasahara.com

राष्ट्रीय सहारा

राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण

लखनऊ

बृहस्पतिवार • 5 दिसम्बर • 2019

पृष्ठ 16, मूल्य ₹ 3.50

मिताली राज का किरदार निभाएंगी तापसी

पेज-16

वैज्ञानिक अनुसंधान व नवाचारों का उपयोग समाजहित में हो

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज।

वैज्ञानिक अनुसंधान एवं नवाचारों का उपयोग समाज के निचले पायदान पर खड़े, निर्धनता एवं विवशता का जीवन जी रहे लोगों के हित में होना चाहिये। बिना सामाजिक सरोकार के शोध की सार्थकता नहीं। यह विचार उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्याल डा. उन्नत पंडित का व्याख्यान

विश्वविद्यालय में बुधवार को आयोजित एकल व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में अटल इनोवेशन मिशन नीति आयोग के कार्यक्रम निदेशक डॉ. उन्नत पंडित ने व्यक्त किया।

डॉ. पंडित ने कहा कि मई 2016 में नीति आयोग के तहतअटल इनोवेशन मिशन की स्थापना हुई और इसके जरिये 8878 संस्थानों का चयन किया गया। यह मिशन पूरे भारत में 90 प्रतिशत जिलों में आच्छादित है। उन्होंने कहा कि इस समय देश की आवश्यकता है कि अनुसंधान मौलिक एवं गुणवत्तापूर्ण तथा विश्वस्तरीय हो और समाज के लिए लाभकारी हो। अनुसंधानों की सामाजिक आधार पर उपयोगिकता का मूल्यांकन करते हुए प्रोत्साहन की नीति अपनाई जानी चाहिये और तकनीकी नवाचारों को देशहित में बढ़ावा दिया जाना चाहिये। डॉ. पंडित ने कहा कि पाठ्यक्रम संरचना में अनुप्रयोगात्मक पक्ष को प्रमुखता मिलनी चाहिए ताकि नई से नई शोध प्रतिभाओं का विकास हो सके। शोध और मंथन के फलस्वरूप नवाचारों का उपयोग ही अटल इनोवेशन .का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि शोध केवल प्रयोगशाला तक ही न सीमित रहे अपितु व्यावहारिक धरातल पर समस्याओं के समाधान में उसे समर्थ होना चाहिये। देश के कोने में फैले युवकों में शोध के द्वारा स्टार्टअप का भाव जगे एवं उसे यथार्थ के धरातल पर कार्यरूप दिया जाय यह भारत के नव निर्माण के लिए अपरिहार्य आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि नीति आयोग देश के अभाव को पूरा कर रहा है। नवाचारों और शोधात्मक नवोन्मेषों, आविष्कारों के माध्यम से व्यापक जन-समाज और देश हित के लिये इसकी आज बड़ी सजग भूमिका है। इस मौके पर मुक्त विश्वविद्यालय एवं रिसर्च फार रिसर्जेन्स फाउन्डेशन, नागपुर के साथ शोध एवं शिक्षा के विविध आयामों पर कार्य करने के लिये अनुबन्ध हुआ। विश्वविद्यालय की तरफ से कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह एवं आरईआरएफ की तरफ से उसके ट्रस्टी डॉ. उन्नत पंडित ने अनुबन्ध पत्र पर हस्ताक्षर किये। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता एवं आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन केन्द्र (आईक्यूएसी) के निदेशक प्रो. ओम जी गुप्ता इस मौके पर गवाह बने। इसके तहत कार्यशालाएं, सेमिनार, संगोष्ठी एवं एक्शन ओरियन्टेशन होंगे। कार्यक्रम संयोजक डॉ. आशुतोष गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन आयोजन सचिव डॉ. श्रुति एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा. अरुण कुमार गुप्ता ने किया।

व्याख्यान देते हुए डा.उन्नत पंडित। फोटो : एसएनबी

JUSTICE EXPRESS

Innovations influencing every walks of life- Dr Unnat Pandit

JE CORRESPONDENT

PRAYAGRAJ: Building new India offers lot of potential; our students are doing well in research and science. New innovation in every field including science is changing the way of our life. The new generation is working in this area and to develop our country new projects on research and development is taken by Government of India. Under the visionary guidance of our Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi ji India is developing at a fast pace. This was said by Dr Unnat Pandit, Programme Director, Atal Innovation Mission, NITI Ayog, New Delhi. He added that presently our fifteen students in Russia are working in collaboration projects. Similarly, four startups in Israel to share research and innovation for benefit of society. Technology, skills and funding for the startups project with proper monitoring is needed to improve impact of innovation new devices which can raise our standard of life. Dr Unnat Pandit was speaking on lecture on Socio Economic Impact Assessment of Scientific Research was organized by Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University Prayagraj. He elaborates that 8800 schools selected for Atal Tinkering center is working in more than 90% district of country. Prof. K.N.Singh Vice Chancellor UPRTOU said that NITI Ayog in the present form is bringing the gap between unprivileged and deprived. He emphasized UPRTOU will also work in the direction to empower society. He welcomed the step taken by NITI Ayog that is reforming our country.

A MOU was also signed between Dr Unnat Pandit, Trustee, Research for Resurgence Foundation and Vice Chancellor Prof. K.N.Singh of UPRTOU. Prof Aushtosh Gupta Director School of Sciences and convener welcomed the guest, Dr Shruti Organizing Secretary Compeer the programme while the vote of thanks was proposed by Dr A. K. Gupta Registrar.

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ने पांच गावों को लिया गोद

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद प्रदेश का एकलौता विश्वविद्यालय है जो दूरस्थ शिक्षा पर आधारित गुणवत्ता परक शिक्षा देने में कृतसंकल्प है इस विश्वविद्यालय क्षेत्र सोनभद्र से सहारनपुर है तथा प्रदेश में ७५ जिलों में अध्ययन केंद्र स्थापित है जो ११ क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गत संचालित होता है । यह जानकारी मंगलवार को काशी विद्यापीठ के गेस्ट हाउस में प्रेसवार्ता के दौरान की वाइसचासंलर कामेश्वरनाथ सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि ट्रेडिशनल से हटकर डिजिटल एजुकेशन के माध्यम से हर वर्ग तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। विश्वविद्यालय नए पाठ्यक्रम पोस्टग्रेजुएट फूड एंड ब्यूटीशियन, भूगोल, उर्दू, वैदिक, योग, एकात्म मानववाद सुशासन आदि विषयों पर पाठ्यक्रम शुरू हुआ है साथ ही जागरूकता पाठ्यक्रम का भी कोर्स संचालित कर रहे है। विश्वविद्यालय ने टोल फ्री नंबर भी इस वर्ष से देने का निर्णय लिया है। ताकि छात्रों की कोई भी समस्या हो तो टोल फ्री नंबर पर बात कर सकता है। विश्वविद्यालय ने पांच गांव को गोद लिया है।

News Letter
मुक्त चिंतन
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित
A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj
हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां
11 दिसम्बर, 2019

'योग प्रशिक्षण शिविर

त्रिद्विवसीय योग प्रशिक्षण शिविर के बौद्धिक सत्र को सम्बोधित करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी तथा उपस्थित छात्र–छात्रायें

योग से करें सामाजिक विकृतियों पर प्रहार – प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

मुविवि में तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण प्रारम्भ

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सरस्वती परिसर में दिनांक 11 दिसम्बर, 2019 को विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत योग प्रशिक्षाार्थियों की तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर प्रारम्भ हुई। इस अवसर पर तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर के प्रथम में बौद्धिक सत्र का आयोजन किया गया। बौद्धिक सत्र के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी रहे।

इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज के समन्वयक डॉ0 अभिषेक सिंह ने माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी का स्वागत किया। योग परामर्शदाता श्री अमित कुमार सिंह ने योग में डिप्लोमा, स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्र कार्यक्रम के शिक्षार्थियों को योगाभ्यास कराया तथा योग के माध्यम से शारीरिक व्याधियों को दूर करने का प्रशिक्षण प्रदान किया। तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण का समापन शुक्रवार 13 दिसम्बर को होगा।

त्रिदिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर के बौद्धिक सत्र को सम्बोधित करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

योग से करें सामाजिक विकृतियों पर प्रहार – प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

योग प्रशिक्षार्थियों को सम्बधित करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने कहा कि योग जीवन दृष्टि देता है। वही जीवन सार्थक होता है जो देश एवं समाज के लिए जिया जाता है। योग एक साधना है। जिसके माध्यम से सामाजिक विकृतियों पर प्रहार करने की आवश्यकता है। कुलपति प्रो0 सिंह ने कहा कि योग प्रशिक्षण के उपरान्त योग की शिक्षा खुद तक सीमित न रखें। समाज के लिए हमारा कैरियर काम आ सके तभी योग की महत्ता तथा जीवन की सार्थकता है। आज युवाओं को सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का संकल्प लेना चाहिये। प्रो0 सिंह ने कहा कि समाज में व्याप्त दहेज प्रथा, छुआछूत, असमानता, कन्याभ्रूण हत्या, अंधविश्वास आदि कुरीतियां कलंक है। आज हम सभी को मिलकर यह संकल्प लेना होगा कि हम अपने परिवेश में इस तरह की घटना नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल कैरियर बनाना नहीं होना चाहिये, कैरियर के साथ ही जीवन में भी सफल होना बहुत जरूरी है। जिसके लिए योग बहुत महत्वपूर्ण विधा है।

योग प्रशिक्षार्थियों को योग प्रशिक्षण देते हुए योग परामर्शदाता श्री अमित कुमार सिंह

योग प्रशिक्षाार्थियों को योग प्रशिक्षण देते हुए योग परामर्शदाता श्री अमित कुमार सिंह

योग प्रशिक्षण शिविर में योगाभ्यास करते हुए छात्र–छात्रायें

विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन केन्द्रों पर आयोजित योग प्रशिक्षण शिविर में योगाभ्यास करते हुए छात्र–छात्रायें

अध्ययन केन्द्र एस–219

महात्मा बुद्धा महाविद्यालय,

अझुआ, कौशाम्बी

में योग प्रशिक्षण शिविर में योगाभ्यास करते हुए छात्र–छात्रायें

अध्ययन केन्द्र एस–1066, दयाशंकर महिला महाविद्यालय, फूलपुरमेंयोग प्रशिक्षण शिविर में योगाभ्यास करते हुए छात्र–छात्रायें

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

के

डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल एवं डॉ0 साधना श्रीवास्तव,

असिस्टेन्ट प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार

द्वारा

अपनी सम्पादित

पुस्तक

"सोशल मीडिया के सामाजिक सरोकार"

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति जी

को

भेंट करते हुए।

RNI No.-UPHIN/2012/44803

हिन्दी दैनिक

Email : harbaatftp @gmail.com

हर बात

यूपी, एमपी, छत्तीसगढ़ व हरियाणा में प्रसारित

वर्ष : 08 अंक : 322 फतेहपुर, गुरूवार, 12 दिसम्बर 2019, पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

योग से करें सामाजिक विकृतियों पर प्रहार : प्रो. कामेश्वर

हर बात संवाददाता

प्रयागराज।योग जीवन दृष्टि देता है, वहीं जीवन सार्थक होता है जो देश एवं समाज के लिए जिया जाता है। योग एक साधना है। जिसके माध्यम से सामाजिक विकृतियों पर प्रहार करने की आवश्यकता है। उक्त विचार उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बुधवार को विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत योग प्रशिक्षाथिर्यों को सम्बोधित करते हुए तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन सत्र में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि योग प्रशिक्षण के उपरान्त योग की

शिक्षा खुद तक सीमित न रखें। समाज के लिए हमारा कैरियर काम आ सके, तभी योग की महत्ता तथा जीवन की सार्थकता है। आज युवाओं को सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का संकल्प लेना चाहिये।

प्रो. सिंह ने कहा कि समाज में व्याप्त दहेज प्रथा, छुआछूत, असमानता, कन्या भ्रूण हत्या, अंध विश्वास आदि कुरीतियां कलंक है। आज हम सभी को मिलकर यह संकल्प लेना होगा कि हम अपने परिवेश में इस तरह की घटना नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल कैरियर बनाना नहीं होना चाहिये, कैरियर के साथ ही जीवन में सफल होना बहुत जरूरी है, जिसके लिए योग बहुत महत्वपूर्ण विधा है। इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज के समन्वयक डॉ. अभिषेक सिंह ने कुलपति का स्वागत किया। योग परामर्शदाता अमित कुमार सिंह ने योग में डिप्लोमा, सनतकोत्तर डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्र कार्यक्रम के शिक्षाथिर्यों को योगाभ्यास कराया तथा योग के माध्यम से शारीरिक व्याधियों को दूर करने का प्रशिक्षण प्रदान किया।

अमर उजाला
प्रयागराज

मुविवि में तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण प्रारम्भ

प्रयागराज। योग जीवन दृष्टि देता है। वही जीवन सार्थक होता है जो देश एवं समाज के लिए जिया जाता है। योग एक साधना है। जिसके माध्यम से सामाजिक विकृतियों पर प्रहार करने की आवश्यकता है। यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने योग प्रशिक्षण शिविर के दौरान कही। क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक डॉ. अभिषेक सिंह ने कुलपति का स्वागत किया। योग परामर्शदाता अमित कुमार सिंह ने योग में डिप्लोमा, स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्र कार्यक्रम के शिक्षार्थियों को योगाभ्यास कराया।

प्रयागराज, गुरुवार, 12 दिसम्बर, 2019
जनसंदेश टाइम्स
परख सच की
मयंक को वनडे टीम में मिली शिखर की जगह - 13
पाकिस्तान की भाषा बोल रहे विपक्ष के नेता : मोदी - 15
जनसंदेश टाइम्स प्रयागराज, गुरुवार, 12 दिसम्बर, 2019 3
प्रयागराज

योग से करें सामाजिक विकृतियों पर प्रहार: प्रो कामेश्वर

कुलपति छात्रों को संबोधित करते हुए

प्रयागराज। योग जीवन दृष्टि देता है, वहीं जीवन सार्थक होता है जो देश एवं समाज के लिए जिया जाता है। योग एक साधना है। जिसके माध्यम से सामाजिक विकृतियों पर प्रहार करने की आवश्यकता है।

उक्त विचार उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बुधवार को विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत योग प्रशिक्षार्थियों को सम्बोधित करते हुए तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन सत्र में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि योग प्रशिक्षण के उपरान्त योग की शिक्षा खुद तक सीमित न रखें। समाज के लिए हमारा कैरियर काम आ सके, तभी योग की महत्ता तथा जीवन की सार्थकता है। आज युवाओं को सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का संकल्प लेना चाहिये। प्रो.सिंह ने कहा कि समाज में व्याप्त दहेज प्रथा, छुआछूत, असमानता, कन्या भ्रूण हत्या, अंध विश्वास आदि कुरीतियां कलंक है। आज हम सभी को मिलकर यह संकल्प लेना होगा कि हम अपने परिवेश में इस तरह की घटना नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल कैरियर बनाना नहीं होना चाहिये, कैरियर के साथ ही जीवन में सफल होना बहुत जरूरी है, जिसके लिए योग बहुत महत्वपूर्ण विधा है।

इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज के समन्वयक डॉ. अभिषेक सिंह ने कुलपति का स्वागत किया। योग परामर्शदाता अमित कुमार सिंह ने योग में डिप्लोमा, स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्र कार्यक्रम के शिक्षार्थियों को योगाभ्यास कराया तथा योग के माध्यम से शारीरिक व्याधियों को दूर करने का प्रशिक्षण प्रदान किया।

अमर उजाला
SELECT

न्यूज WINDOW

मुविवि में तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण प्रारम्भ

प्रयागराज। योग जीवन दृष्टि देता है। वही जीवन सार्थक होता है जो देश एवं समाज के लिए जिया जाता है। योग एक साधना है। जिसके माध्यम से सामाजिक विकृतियों पर प्रहार करने की आवश्यकता है। यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने योग प्रशिक्षण शिविर के दौरान कही। क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक डॉ. अभिषेक सिंह ने कुलपति का स्वागत किया। योग परामर्शदाता अमित कुमार सिंह ने योग में डिप्लोमा, स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्र कार्यक्रम के शिक्षार्थियों को योगाभ्यास कराया।

हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस
विचार : छोटे-छोटे निर्णय बना सकते हैं महिलाओं ..
वर्ष : 10 अंक : 252 प्रयागराज, गुरुवार 12 दिसम्बर 2019, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया
सच का आधार ...
खेल : धवन वनडे टीम से भी बाहर, मयंक को मौका
इलाहाबाद एक्सप्रेस प्रयागराज प्रयागराज, गुरुवार, 12 दिसम्बर 2019 3

योग से करें सामाजिक विकृतियों पर प्रहार : प्रो कामेश्वर

प्रयागराज। योग जीवन दृष्टि देता है, वहीं जीवन सार्थक होता है जो देश एवं समाज के लिए जिया जाता है। योग एक साधना है। जिसके माध्यम से सामाजिक विकृतियों पर प्रहार करने की आवश्यकता है।

उक्त विचार उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बुधवार को विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत योग प्रशिक्षार्थियों को सम्बोधित करते हुए तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन सत्र में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि योग प्रशिक्षण के उपरान्त योग की शिक्षा खुद तक सीमित न रखें। समाज के लिए हमारा कैरियर काम आ सके, तभी योग की महत्ता तथा जीवन की सार्थकता है। आज युवाओं को सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का संकल्प लेना चाहिये। प्रो.सिंह ने कहा कि समाज में व्याप्त दहेज प्रथा, छुआछूत, असमानता, कन्या भ्रूण हत्या, अंध विश्वास आदि कुरीतियां कलंक है। आज हम सभी को

मिलकर यह संकल्प लेना होगा कि हम अपने परिवेश में इस तरह की घटना नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल कैरियर बनाना नहीं होना चाहिये, कैरियर के साथ ही जीवन में सफल होना बहुत जरूरी है, जिसके लिए योग बहुत महत्वपूर्ण विधा है।

इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज के समन्वयक डॉ. अभिषेक सिंह ने कुलपति का स्वागत किया। योग परामर्शदाता अमित कुमार सिंह ने योग में डिप्लोमा, स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्र कार्यक्रम के शिक्षार्थियों को योगाभ्यास कराया तथा योग के माध्यम से शारीरिक व्याधियों को दूर करने का प्रशिक्षण प्रदान किया।

दैनिक जागरण

गुरुवार

2019

करण

gran.com

सटी बकाया भुगतान पर दबाव बना रहे राज्य 13

प्रतिबंध के बाद लौटे पृथ्वी शॉ ने जड़ा दोहरा शतक 14

युवा जागरण

130

2017

2 दैनिक जागरण

प्रयागराज, 12 दिसंबर 2019

www.jagran.com

बुधवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित योग शिविर में योगाभ्यास करती छात्राएं • जागरण

योग से विकृतियों पर करें प्रहार

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : योग एक साधना है। यह जीवन दृष्टि देता है जिससे जीवन सार्थक होता है। अब इसके माध्यम से ही सामाजिक विकृतियों पर प्रहार करने की आवश्यकता है। ये बातें बुधवार को तीन दिनी योग प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन सत्र के दौरान उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहीं।

विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केंद्र से पंजीकृत योग प्रशिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि योग की शिक्षा खुद तक सीमित न रखें, समाज के लिए हमारा करियर काम आ सके। तभी योग की महत्ता तथा जीवन की सार्थकता है। युवाओं को सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का संकल्प लेना चाहिए।

प्रो. सिंह ने कहा कि समाज में व्याप्त दहेज प्रथा, छुआछूत, असमानता, कन्या भ्रूण हत्या, अंधविश्वास आदि कुरीतियां कलंक हैं। अब हम सभी को मिलकर शपथ लें कि हम अपने परिवेश में इस तरह की घटना नहीं होने देंगे। हमारा लक्ष्य केवल करियर बनाना ही नहीं बल्कि जीवन में भी सफल होना भी हो, इसके लिए योग बहुत महत्वपूर्ण विधा है। इस अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज के समन्वयक डॉ. अभिषेक सिंह ने स्वागत किया।

योग परामर्शदाता अमित कुमार सिंह ने योग में डिप्लोमा, स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्र कार्यक्रम के शिक्षार्थियों को योगाभ्यास कराया तथा योग के माध्यम से शारीरिक व्याधियों को दूर करने का प्रशिक्षण दिया गया।

News Letter
मुक्त चिंतन
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित
A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj
हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां
12 दिसम्बर, 2019

'योग प्रशिक्षण शिविर

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन गुरुवार को जाने-माने योग प्रशिक्षक एवं प्रमुख सचिव होमगार्ड्स उत्तर प्रदेश शासन श्री अनिल कुमार योगाभ्यास कराते हुए।

योग एक आनन्ददायक क्रिया– अनिल कुमार

मुविवि में प्रमुख सचिव ने कराया योगाभ्यास

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सरस्वती परिसर में दिनांक 12 दिसम्बर, 2019 को विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत योग प्रशिक्षार्थियों की तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन के मुख्य अतिथि जाने–माने योग प्रशिक्षक एवं प्रमुख सचिव, होमगार्डस, उत्तर प्रदेश शासन श्री अनिल कुमार द्वितीय रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने की।

इस अवसर पर श्री कुमार ने योगाभ्यास की कई क्रियायें तथा विभिन्न आसनों की किया करायी। प्रारम्भ में मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव श्री कुमार को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत तथा सम्मान स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 विनोद कुमार गुप्त ने किया। इस अवसर पर प्रो0 जी0एस0 शुक्ल, श्रीमती प्रीती अनिल कुमार, डॉ0 दीपा त्यागी, डॉ0 अभिषेक सिंह, श्री अमित सिंह एवं डॉ0 प्रभात चन्द्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन के कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन गुरुवार को जाने-माने योग प्रशिक्षक एवं प्रमुख सचिव होमगार्ड्स उत्तर प्रदेश शासन श्री अनिल कुमार योगाभ्यास कराते हुए।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय मैं तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन गुरुवार को जाने-माने योग प्रशिक्षक एवं प्रमुख सचिव होमगार्ड्स उत्तर प्रदेश शासन श्री अनिल कुमार योगाभ्यास कराते हुए।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन गुरुवार को जाने-माने योग प्रशिक्षक एवं प्रमुख सचिव होमगार्ड्स उत्तर प्रदेश शासन श्री अनिल कुमार योगाभ्यास कराते हुए।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन गुरुवार को जाने-माने योग प्रशिक्षक एवं प्रमुख सचिव होमगार्ड्स उत्तर प्रदेश शासन श्री अनिल कुमार योगाभ्यास कराते हुए।

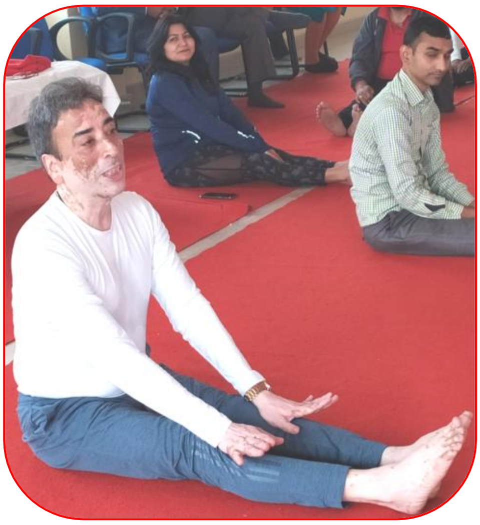

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय मैं तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन गुरुवार को जाने-माने योग प्रशिक्षक एवं प्रमुख सचिव होमगाई्स उत्तर प्रदेश शासन श्री अनिल कुमार योगाभ्यास कराते हुए।

प्रशिक्षार्थियों को सम्बोधित करते हुये मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव होमगार्ड्स, उ0प्र0 शासन श्री अनिल कुमार

योग एक आनन्ददायक क्रिया– अनिल कुमार

त्रिद्विवसीय योग प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन जाने माने योग प्रशिक्षक एवं मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव होमगार्ड्स, उ0प्र0 शासन श्री अनिल कुमार द्वितीय ने कहा कि योग केवल आसन प्राणायाम ही नहीं है अपितु एक विस्तृत जीवन दर्शन है जिसके द्वारा व्यक्तित्व का समग्र विकास हो सकता है। जीवन के समग्र संबर्द्धन का नाम ही योग है। योग के द्वारा ही मनुष्य अपनी इच्छाओं को नियंत्रित कर सकता है। योग आनंददायक क्रिया का नाम है। श्री कुमार ने कहा कि योग को अपने दैनिक जीवन में नियमित रूप से अपनायें एवं दूसरों को भी प्रेरित करें। योग लोगों के जीवन में खुशहाली ला सकता है एवं आज की भागमभाग जिन्दगी में तनाव से मुक्ति पाने का यह एक सशक्त माध्यम है। श्री कुमार ने कहा कि योग के क्षेत्र में कैरियर की अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्र–छात्रायें

मुख्य अतिथि जाने–माने योग प्रशिक्षक
एवं प्रमुख सचिव, होमगार्ड्स,
उत्तर प्रदेश शासन
श्री अनिल कुमार जी को
अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका
सम्मान करते हुए
निदेशक, प्रो0 जी0एस0 शुक्ल

श्रीमती प्रीति अनिल कुमार को
अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर
उनका सम्मान करते हुए
निदेशक, प्रो0 जी0एस0 शुक्ल
एवं
डॉ0 दीपा त्यागी

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज के प्रभारी निदेशक, प्रो0 जी0एस0 शुक्ल

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी से मुलाकात करते हुए
श्री अनिल कुमार जी, प्रमुख सचिव, होमगार्डस, उत्तर प्रदेश शासन

News Letter
मुक्त चिंतन
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित
A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj
हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां
12 दिसम्बर, 2019

कार्य परिषद् की 107वीं(आपातकालीन) बैठक आयोजित

dqyifr

moizo jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] dk;Z ifj"kn~~ dh 107oha (आपातकालीन) cSBd fnukad 12 fnlEcj] 2019 dks vijkg~~u% 02%30 cts desVh d{k esa vkgwr dh xbZA cSBd dh v¼;{krk izkso dkes'oj ukFk flag] dqyifr] moizo jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt us dhA cSBd esa dbZ egRoiw.kZ fu.kZ; fy, x;sA

cSBd esa MkWo ,l-,u-ih- xqIrk] vodk'k izkIr foHkkxk¼;{k] dkelZ] Mh-,-oh- dkyst] dkuiqj] Jh lq'khy xqIrk] jk;cjsyh] izkso vk'kqrks"k xqIrk] funs'kd foKk [illegible] kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt] izkso (डॉ0) th-,l- 'kqDy] funs'kd] LokLF; foKku fo|k'kk[kk] moizo jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt] izkso lq/ka'kq f=kikBh izksफslj] lekt foKku fo|k'kk[kk] moizo jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt] MkWo fnus'k flag lgk;d funs'kd@vflLVs.V izksफslj] f'k{kk fo|k'kk[kk] moizo jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt ,oa MkWo v#.k dqekj xqIrk] dqylfpo] moizo jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt mifLFkr jgsA

हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस
सच का आधार ...
इलाहाबाद एक्सप्रेस प्रयागराज 3

जीवन के समग्र संवर्द्धन का नाम ही योग : अनिल

प्रयागराज। योग केवल आसन प्राणायाम ही नहीं है अपितु एक विस्तृत जीवन दर्शन है, जिसके द्वारा व्यक्तित्व का समग्र विकास हो सकता है। जीवन के समग्र संवर्द्धन का नाम ही योग है। योग के द्वारा ही मनुष्य अपनी इच्छाओं को नियंत्रित कर सकता है। योग आनंददायक क्रिया का नाम है।

योग सिखाते प्रशिक्षक

उक्त विचार उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में आयोजित तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव होमगाड्र्स, उ.प्र शासन अनिल कुमार द्वितीय ने व्यक्त किया। जाने माने योग प्रशिक्षक अनिल कुमार ने इस अवसर पर प्रशिक्षार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि योग को अपने दैनिक जीवन में नियमित रूप से अपनायें एवं दूसरों को भी प्रेरित करें। योग लोगों के जीवन में खुशहाली ला सकता है एवं आज की भागमभाग जिन्दगी में तनाव से मुक्ति पाने का यह एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि योग के क्षेत्र में कैरियर की अपार संभावनाएं हैं।

इस अवसर पर श्री कुमार ने योगाभ्यास की कई क्रियाएं तथा विभिन्न आसनों की क्रिया करायी। प्रारम्भ में मुख्य अतिथि श्री कुमार का स्वागत स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विनोद कुमार गुप्त ने एवं अध्यक्षता कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने की। इस अवसर पर प्रो. जी.एस शुक्ल, श्रीमती प्रीती अनिल कुमार, डॉ. दीपा त्यागी, डॉ. अभिषेक सिंह, अमित सिंह एवं डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
dainikkarmath@gmail.com
दैनिक कर्मठ 3

योग्य एक आनन्ददायक क्रिया–अनिल कुमार

– मुविवि में प्रमुख सचिव ने कराया योग्याभ्यास

प्रयागराज। योग केवल आसन,प्राणायाम ही नहीं है, अपितु एक विस्तृत जीवन दर्शन है। जिसके द्वारा व्यक्तित्व का समग्र विकास हो सकता है। जीवन के समग्र संवर्धन का नाम ही योग है। योग के द्वारा ही मनुष्य अपनी इच्छाओं को नियंत्रित कर सकता है 'योग आनन्ददायक क्रिया का नाम है।

उक्त उद्‌गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विवि प्रयागराज में आयोजित त्रिदिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन मख्य अतिथि प्रमुख सचिव होमगार्ड उत्तर प्रदेश शासन अनिल कुमार द्वितीय ने व्यक्त किये। जाने माने योग प्रशिक्षक श्री कुमार ने इस अवसर पर प्रशिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि योग को अपने दैनिक जीवन में नियतित रूप से अपनायें एवं दूसरों को भी प्रेरित करें। योग लोगो के जीवन में खुशहाली ला सकता है। और आज की भागमभाग जिन्दगी में तनाव से मुक्ति पाने का यह एक सशक्त माध्यम है। श्री कुमार ने कहा कि योग के क्षेत्र में कैरियर की अपार संभावनाएं है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव ने योगाभ्यस कई क्रियाएं तथा विभिन्न आसनों के क्रियाएं कराई प्रारम्भ में मुख्य अतिथि श्री कुमार का स्वागत स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो0गिरजा शंकर शुक्ल ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ विनोद कुमार गुप्ता ने किया। अध्यक्षता कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने की। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रो0 जीएस शुक्ल श्रीमती प्रीति अनिल कुमार, डॉ दीपा त्यागी, डॉ अभिषेक सिंह, अमित सिंह,एवं डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र आदि लोग शामिल रहे।

YOGA TRAINING CAMP

Yoga is not only an asana pranayama, but a comprehensive life philosophy. Through which any individual can make his/her overall development of personality. Yoga is the name of the overall enrichment of life. Only through yoga, man can control his desires. Yoga is the second name of the comfortable work.. This was said by the Chief Secretary, Home Guard, Uttar Pradesh Government, Anil Kumar II, on Thursday, the second day of the three-day-long yoga training camp held at Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University Prayagraj.

दैनिक लोकमित्र
प्रयागराज/कौशाम्बी/मऊ समाचार प्रतापगढ़। शुक्रवार 13 दिसम्बर, 2019

योग एक आनन्ददायक क्रिया- अनिल कुमार

मुविवि में प्रमुख सचिव ने कराया योगाभ्यास

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज-योग केवल आसन प्राणायाम ही नहीं है अपितु एक विस्तृत जीवन दर्शन है जिसके द्वारा व्यक्तित्व का समग्र विकास हो सकता है।

जीवन के समग्र संबर्द्धन का नाम ही योग है। योग के द्वारा ही मनुष्य अपनी इच्छाओं को नियंत्रित कर सकता है। योग आनंददायक क्रिया का नाम है।

उक्त उद्गार उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में आयोजित त्रिद्विवसीय योग प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव होमगार्ड्स, उ0प्र0 शासन श्री अनिल कुमार द्वितीय ने व्यक्त किए। जाने माने योग प्रशिक्षक श्री अनिल कुमार ने इस अवसर पर प्रशिक्षार्थियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि योग को अपने दैनिक जीवन में नियमित रूप से अपनायें एवं दूसरों को भी प्रेरित करें।

योग लोगों के जीवन में खुशहाली ला सकता है एवं आज की भागमभाग जिन्दगी में तनाव से मुक्ति पाने का यह एक सशक्त माध्यम है। श्री कुमार ने कहा कि योग के क्षेत्र में कैरियर की अपार संभावनाएं हैं। इस अवसर पर श्री कुमार ने योगाभ्यास की कई क्रियायें तथा विभिन्न आसनों की क्रिया करायी। प्रारम्भ में मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव श्री कुमार का स्वागत स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 विनोद कुमार गुप्त ने किया। अध्यक्षता कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने की।

इस अवसर पर प्रो0 जी0एस0 शुक्ल, श्रीमती प्रीती अनिल कुमार, डॉ0 दीपा त्यागी, डॉ0 अभिषेक सिंह, श्री अमित सिंह एवं डॉ0 प्रभात चन्द मिश्र आदि उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण
प्रयागराज, शुक्रवार
13 दिसंबर 2019
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 20
www.jagran.com
उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

पुरानी गाड़ियों में लगेंगी हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट 6
भारत में ला लीगा फुटबॉल लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रोहित 16

योग में कॅरियर की अपार संभावनाएं

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : योग केवल आसन ही नहीं, विस्तृत जीवन दर्शन है। इससे व्यक्तित्व का समग्र विकास हो सकता है। योग से ही मनुष्य अपनी इच्छाओं को नियंत्रित कर सकता है साथ ही योग के क्षेत्र में कॅरियर की अपार संभावनाएं भी हैं। ये बातें प्रमुख सचिव होमगार्ड्स अनिल कुमार द्वितीय ने बतौर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में गुरुवार को कहीं।

योग प्रशिक्षक अनिल कुमार ने कहा कि योग को अपने दैनिक जीवन में नियमित रूप से अपनाएं और दूसरों को भी प्रेरित करें। योग लोगों के जीवन में खुशहाली लाता है। आज की भागमभाग जिंदगी में तनाव से मुक्ति पाने का यह एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने योगाभ्यास की कई क्रियाओं तथा विभिन्न आसनों की क्रिया भी कराईं। मुख्य अतिथि का स्वागत स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल और संचालन डॉ. विनोद कुमार गुप्त ने किया। अध्यक्षता कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने की। इस अवसर पर प्रो. जीएस शुक्ल, प्रीती अनिल कुमार, डॉ. दीपा त्यागी, डॉ. अभिषेक सिंह, अमित सिंह, पीआरओ डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

गुरुवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में योगाभ्यास करती छात्राएं • जागरण

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com
प्रयागराज 06

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में चल रहे शिविर में योग करती छात्राएं। • हिन्दुस्तान

राजर्षि मुविवि में प्रमुख सचिव ने कराया योग

प्रयागराज | निज संवाददाता

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में चल रहे तीन दिनी योग प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन गुरुवार को यूपी के प्रमुख सचिव होमगार्ड्स अनिल कुमार द्वितीय ने प्रतिभागियों को योगाभ्यास कराया।

उन्होंने कहा कि योग केवल आसन प्राणायाम ही नहीं है अपितु एक विस्तृत जीवन दर्शन है, जिससे व्यक्तित्व का समग्र विकास हो सकता है। उन्होंने कहा कि योग के क्षेत्र में कैरियर की अपार संभावनाएं हैं। प्रमुख सचिव का स्वागत स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया।

अध्यक्षता कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, संचालन डॉ. विनोद कुमार गुप्त ने किया। इस मौके पर प्रीती अनिल कुमार, डॉ. दीपा त्यागी, डॉ. अभिषेक सिंह, अमित सिंह एवं डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्र उपस्थित थे।

जनसंदेश टाइम्स
प्रयागराज मित्र

जीवन के समग्र संवर्द्धन का नाम ही योग : अनिल

प्रयागराज। योग केवल आसन प्राणायाम ही नहीं है अपितु एक विस्तृत जीवन दर्शन है, जिसके द्वारा व्यक्तित्व का समग्र विकास हो सकता है। जीवन के समग्र संवर्द्धन का नाम ही योग है। योग के द्वारा ही मनुष्य अपनी इच्छाओं को नियंत्रित कर सकता है। योग आनंददायक क्रिया का नाम है। उक्त विचार उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में आयोजित तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव होमगार्ड्स, उ.प्र शासन अनिल कुमार द्वितीय ने व्यक्त किया। जाने माने योग प्रशिक्षक अनिल कुमार ने इस अवसर पर प्रशिक्षार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि योग को अपने दैनिक जीवन में नियमित रूप से अपनायें एवं दूसरों को भी प्रेरित करें। योग लोगों के जीवन में खुशहाली ला सकता है एवं आज की भागमभाग जिन्दगी में तनाव से मुक्ति पाने का यह एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि योग के क्षेत्र में कैरियर की अपार संभावनाएं हैं।

Prabhat Chandra Mishra
39 mins •

योग के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने लंबी छलांग लगाई है। आज विश्वविद्यालय मे योग में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा,पीजी डिप्लोमा तथा मास्टर्स डिग्री के कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। हजारों छात्र प्रतिवर्ष इन कार्यक्रमों में प्रवेश ले रहे हैं। योग कार्यक्रम की प्रामाणिकता तथा इसकी लोकप्रियता दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। बीते दिनों हुए 14 वें दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कुलाधिपति माननीय श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने भी मुक्त कंठ से सराहना की थी । योग कार्यक्रम में नामांकित छात्र छात्राओं को सही प्रशिक्षण देने के लिए बौद्धिक वर्ग शिविर एवं अभ्यास वर्ग शिविर का आयोजन प्रदेश भर में स्थित सभी क्षेत्रीय केंद्रों पर करवाया जा रहा है। प्रयागराज में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में जहां विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने बुधवार को शिक्षार्थियों को जीवन जीने की कला से रूबरू कराया वहीं गुरुवार 12 दिसंबर को प्रमुख सचिव होमगार्ड्स, उत्तर प्रदेश शासन श्री अनिल कुमार जी ने योग के अष्टांगिक मार्ग यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान एवं समाधि का साक्षात्कार कराया। प्रमुख सचिव श्री कुमार द्वारा प्रस्तुत योग साधना एवं योगाभ्यास क्रिया विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं के लिए वरदान साबित हुई। विश्व विद्यालय परिवार प्रमुख सचिव होमगार्ड्स श्री अनिल कुमार जी एवं श्रीमती प्रीति अनिल कुमार के प्रति हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करता है जिन्होंने अपने बहुमूल्य समय में से वक्त निकालकर विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र छात्राओं को योग के गूढ रहस्यों से अवगत कराया। बेहतरीन आयोजन के लिए स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरजा शंकर शुक्ल एवं उनकी टीम को बहुत-बहुत **बधाई**। प्रस्तुति :डॉ प्रभात चंद्र मिश्र

8 अभिमत
13 कारोबार
15 विदेश
पायनियर

योग से करें सामाजिक विकृतियों पर प्रहार: प्रो. केएन सिंह

- मुक्त विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण का शुभारंभ
- प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को सिखाया योग

प्रशिक्षणार्थियों को योग सिखाते योग प्रशिक्षक एवं मुविवि के योग परामर्शदाता अमित कुमार सिंह।

प्रयागराज। योग जीवन दृष्टि देता है, वही जीवन सार्थक होता है, जो देश एवं समाज के लिए जिए। योग एक साधना है। जिसके जरिए सामाजिक विकृतियों पर प्रहार करने की आवश्यकता है। यह बातें राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बुधवार से प्रयागराज में शुरू हुए तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन सत्र में कहीं। मुविवि के सरस्वती परिसर में विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत योग प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि योग प्रशिक्षण के उपरान्त योग की शिक्षा खुद तक सीमित न रखें। समाज के लिए हमारा कैरियर काम आ सके तभी योग की महत्ता तथा जीवन की सार्थकता है। आज युवाओं को सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का संकल्प लेना चाहिये। प्रो. सिंह ने कहा कि समाज में व्याप्त दहेज प्रथा, छुआ छूत, असमानता, कन्या भ्रूण हत्या, अंधविश्वास आदि कुरीतियां कलंक का रूप ले चुकी हैं। आज हम सभी को मिलकर यह संकल्प लेना होगा कि हम अपने परिवेश में इस तरह की घटना नहीं होने देंगे। क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज के समन्वयक डा. अभिषेक सिंह ने कुलपति प्रो. के एन सिंह का स्वागत किया। योग परामर्शदाता एवं प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह ने योग में डिप्लोमा, स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्र कार्यक्रम के शिक्षार्थियों को योगाभ्यास कराया। श्री सिंह ने योग के जरिए शारीरिक व्याधियों को दूर करने का प्रशिक्षण भी प्रदान किया। तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण का समापन 13 दिसम्बर शुक्रवार को होगा। प्रशिक्षण में कार्यक्रम कोड सीसीवाई, डीवाईओ, पीजीडीवाईओ के सैकड़ों छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

8 अभिमत
13 कारोबार
15 विदेश
पायनियर
मुझे भी फिल्म की रिलीज से पहले डर लगता है: सोनाक्षी
विविध-16

योग आनन्ददायक क्रिया: अनिल कुमार

- मुविवि में प्रमुख सचिव ने कराया योगाभ्यास
- तीन दिनी योग प्रशिक्षण शिविर का दूसरा दिन

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

योगाभ्यास कराते प्रमुख सचिव होमगार्ड अनिल कुमार। पायनियर

योग केवल आसन प्राणायाम ही नहीं है, अपितु एक विस्तृत जीवन दर्शन है। जिसके द्वारा व्यक्तित्व का समग्र विकास हो सकता है। जीवन के समग्र संवर्द्धन का नाम ही योग है। योग के द्वारा ही मनुष्य अपनी इच्छाओं को नियंत्रित कर सकता है। योग आनंद दायक क्रिया का नाम है। उक्त बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में आयोजित तीन द्विवसीय योग प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन गुरूवार को बतौर मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव होमगार्ड उत्तर प्रदेश शासन अनिल कुमार द्वितीय ने व्यक्त किए। सुप्रसिद्ध योग प्रशिक्षक प्रमुख सचिव अनिल कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि योग को अपने दैनिक जीवन में नियमित रूप से अपनाना चाहिए और दूसरों को भी प्रेरित करना चाहिए। योग लोगों के जीवन में खुशहाली ला सकता है। आज की भागम भाग भरी जिन्दगी में तनाव से मुक्ति पाने का योग सशक्त माध्यम है। श्री कुमार ने कहा कि योग के क्षेत्र में कैरियर की अपार संभावनाएं भी हैं। श्री कुमार ने इस मौके पर योगाभ्यास की कई क्रियाएं तथा विभिन्न आसनों की क्रियाएं भी करायीं। अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने भी प्रशिक्षणार्थियों को योग की विधाएं बतायीं। मुविवि के योग परामर्शदाता एवं योग प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह ने छात्र छात्राओं को योग कराया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव होमगार्ड अनिल कुमार का स्वागत स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया। कार्यक्रम का संचालन डा. विनोद कुमार गुप्त ने किया। इस अवसर पर प्रो. जी एस शुक्ल, प्रीती अनिल कुमार, डा. दीपा त्यागी, समन्वयक डा. अभिषेक सिंह, योग प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह, पीआरओ डा. प्रभात चन्द्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

पाक हाफिज सईद पर तेजी से सुनवाई करे : अमेरिका पेज-13

पंकजा मुंडे बोलीं, भाजपा नहीं छोड़ूंगी पेज-13

तस्लीमा और सुदीप दोनों बांग्लादेशी हैं। भारतीय नागरिकता के लिए दोनों ने अर्जी दी है। नागरिकता पाएगा कौन? सुदीप। क्योंकि वह हिन्दू है। लेकिन तस्लीमा ने विचारों के लिए सुदीप से अधिक पीड़ा सही। तस्लीमा वास्तव में बेघर हैं। उसका बांग्लादेश में प्रवेश वर्जित है। सुदीप के साथ ऐसा नहीं है। वह कभी भी बांग्लादेश जा सकते हैं। —तस्लीमा नसरीन@taslimanasreen

जम्मू-कश्मीर में उद्योगों के लिए तलाशी गई जमीन पेज-12

प्रयागराज संस्करण

www.facebook.com\rashtriyasahara https://twitter.com/SaharaRashtriya www..rashtriyasahara.com

दीपिका ने छपाक के लिए लगवाया था प्रोस्थेटिक्स पेज-16

राष्ट्रीय सहारा

राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण

■ लखनऊ ■ नई दिल्ली ■ गोरखपुर ■ पटना ■ कानपुर ■ देहरादून ■ वाराणसी से प्रकाशित

लखनऊ

शुक्रवार ● 13 दिसम्बर ● 2019

पृष्ठ 16, मूल्य ₹ 3.50

सराफा लखनऊ सोना (प्रति 10 ग्राम) 38,564 | चांदी (प्रति किलो) 44,984 | शेयर सेंसेक्स 40,581.71 +169.14 | निफ्टी 11,971.80 +61.65 | विनिमय दर ₹/$ 70.83 +0.02 | मौसम (लखनऊ) तापमान अधिकतम 22.4 | न्यूनतम 11.8

महादेवी की तुलना मीराबाई से होती है। महादेवी को आधुनिक युग की मीराबाई कहा जाता है। मूल अन्तर यह है कि महादेवी के ब्रह्म कौन थे यह रहस्य है। ——— डा.रमेश कुमार, भाषाविद्

जीवन दर्शन भी है योगासन

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज।

योग केवल आसन प्राणायाम ही नहीं है बल्कि एक विस्तृत जीवन दर्शन है जिसके द्वारा व्यक्तित्व का समग्र विकास हो सकता है। जीवन के समग्र संवर्द्धन का नाम ही योग है। यह बातें राजर्षि टण्डन मुक्त

मुविवि में प्रमुख सचिव ने कराया योगाभ्यास

विवविद्यालय में आयोजित त्रिदिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर के मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव होमगार्ड्स अनिल कुमार द्वितीय ने गुरुवार को कहीं।

शिविर को संबोधित करते हुए श्री कुमार ने कहा कि योग के द्वारा ही मनुष्य अपनी इच्छाओं को नियंत्रित कर सकता है। योग आनंददायक क्रिया का नाम है। इसलिए योग को अपने दैनिक जीवन में नियमित रूप से अपनायें एवं दूसरों को भी प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि योग लोगों के जीवन में खुशहाली ला सकता है एवं आज की भागम भाग जिन्दगी में तनाव से मुक्ति पाने का यह एक सशक्त माध्यम है। श्री कुमार ने कहा कि योग के क्षेत्र में कैरियर की अपार संभावनाएं हैं।

इस दौरान उन्होंने योगाभ्यास की कई क्रियायें तथा विभिन्न आसनों की क्रिया करायी। प्रारम्भ में मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव श्री कुमार का स्वागत स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने की। इस दौरान प्रो. जीएस शुक्ल, श्रीमती प्रीती अनिल कुमार, डॉ. दीपा त्यागी, डॉ. अभिषेक सिंह, अमित सिंह एवं डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्र आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विनोद कुमार गुप्त ने किया।

विवि परिसर में योग करते हुए शिक्षक व अन्य लोग। फोटो : एसएनबी

1991-2019 29 वर्ष रजत जयंती वर्ष

प्रयागराज, वर्ष 29
अंक 96 शुक्रवार
13 दिसम्बर , 2019
पृष्ठ 12 ₹4.00

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

स्वतंत्र चेतना

उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित

www.swatantrachetnanews.com

गोरखपुर, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, नई दिल्ली, हरिद्वार, वाराणसी, आज़मगढ़ व अयोध्या से प्रकाशित

हॉलीवुड रीमेक बनने की दहलीज पर ऋतिक रोशन की सुपर 30

400 छक्के लगा कर तोड डाला अफरीदी का वर्ल्ड रिकॉर्ड

जीवन के समग्र संवर्द्धन का नाम ही योग–अनिल

प्रयागराज। योग केवल आसन प्राणायाम ही नहीं है अपितु एक विस्तृत जीवन दर्शन है, जिसके द्वारा व्यक्तित्व का समग्र विकास हो सकता है। जीवन के समग्र संवर्द्धन का नाम ही योग है। योग के द्वारा ही मनुष्य अपनी इच्छाओं को नियंत्रित कर सकता है। योग आनंददायक क्रिया का नाम है।

उक्त विचार उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में आयोजित तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव होमगाड्र्स, उ.प्र शासन अनिल कुमार द्वितीय ने व्यक्त किया। जाने माने योग प्रशिक्षक अनिल कुमार ने इस अवसर पर प्रशिक्षार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि योग को अपने दैनिक जीवन में नियमित रूप से अपनायें एवं दूसरों को भी प्रेरित करें। योग लोगों के जीवन में खुशहाली ला सकता है एवं आज की भागमभाग जिन्दगी में तनाव से मुक्ति पाने का यह एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि योग के क्षेत्र में कैरियर की अपार संभावनाएं हैं। इस अवसर पर श्री कुमार ने योगाभ्यास की कई क्रियाएं तथा विभिन्न आसनों की क्रिया करायी। प्रारम्भ में मुख्य अतिथि श्री कुमार का स्वागत स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विनोद कुमार गुप्त ने एवं अध्यक्षता कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने की।

News Letter
मुक्त चिंतन
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित
A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj
हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां
17 दिसम्बर, 2019

'योग प्रशिक्षण शिविर

योग प्रशिक्षण शिविर के बौद्धिक सत्र को सम्बोधित करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी तथा उपस्थित छात्र–छात्रायें

योग से बढ़ती है कार्यकुशलता– प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

मुविवि में योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सरस्वती परिसर में दिनांक 17 दिसम्बर, 2019 को विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज के अन्तर्गत आने वाले विभिन्न अध्ययन केन्द्रों (एस–051, एस–105 एवं एस–106) से पंजीकृत योग प्रशिक्षाार्थियों की योग प्रशिक्षण शिविर प्रारम्भ हुई। इस अवसर परयोग प्रशिक्षण शिविर के प्रथम में बौद्धिक सत्र का आयोजन किया गया। बौद्धिक सत्र के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी रहे।

इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज के समन्वयक डॉ0 अभिषेक सिंह ने माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी का स्वागत किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल ने प्रशिक्षार्थियों को स्वास्थ्य के लिए उपयोगी आसनों के बारे में बताया तथा शरीर विज्ञान की बारीकयों से अवगत कराते हुये योगासन के महत्व को बताया।

योग प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह ने प्राणायाम, भ्रामरी, अनुलोम–विलोम, कपाल भाति, सूर्य नमस्कार आदि आसनों से शिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया।

प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल

कार्यक्रम में
स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के
निदेशक प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल
ने
प्रशिक्षार्थियों को स्वास्थ्य के लिए उपयोगी आसनों के
बारे में बताया तथा
शरीर विज्ञान की बारीकयों से अवगत कराते हुये
योगासन के महत्व को बताते हुए।

योग क्रियाओं के बारे में बताते हुए योग प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह

योग प्रशिक्षण शिविर के बौद्धिक सत्र को सम्बोधित करते हुए
माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

योग से बढ़ती है कार्यकुशलता– प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

योग प्रशिक्षण शिविर के बौद्धिक सत्र को सम्बोधित करते हुये कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि मन पर बुद्धि का नियंत्रण योग के द्वारा ही संभव है। योग से एकाग्रता उत्पन्न होती है। योग जीवन की विधा है। इससे कार्य कुशलता बढ़ती है। उन्होंने कहा कि आज हर व्यक्ति परेशान है, जिसका निवारण ध्यान क्रिया से संभव है। मनुष्य के जीवन में चुनौतियां पहले भी थी और आगे भी रहेगी। इन्हीं के बीच में हमें रास्ता बनाकर बाहर निकलना है।

प्रो0 सिंह ने कहा कि जीवन में दृढता योग से उत्पन्न होगी। हमारे देश में ऋषि–मुनियों ने योगक्रिया के द्वारा अपनी जीवन चर्या को सरल बनाया। उन्होंने कहा कि योग केवल आसन एवं प्राणायाम ही नहीं है बल्कि योग एक जीवन दृष्टि है। योग में प्रवीण होकर युवा अपने कैरियर को समृद्ध कर रहे हैं। मुक्त विश्वविद्यालय के योग कार्यक्रमों में शिक्षार्थियों के प्रवेश लेने की दिनोंदिन बढ़ती संख्या इसकी लोकप्रियता का परिचायक है।

योग प्रशिक्षण शिविर के बौद्धिक सत्र में उपस्थित छात्र–छात्रायें

योग प्रशिक्षण

शिक्षार्थियों को प्राणायाम, भ्रामरी, अनुलोम–विलोम, कपाल भाति, सूर्य नमस्कार आदि आसनों का शिक्षार्थियों को प्रशिक्षण देते हुए योग प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह ने

योग प्रशिक्षण शिविर के बौद्धिक सत्र में उपस्थित छात्र–छात्रायें

अमर उजाला
प्रयागराज बुधवार, 18 दिसंबर 2019
अमर उजाला प्रयागराज amarujala.com प्रयागराज | बुधवार, 18 दिसंबर 2019 | 8

योग से बढ़ती है कार्यकुशलता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि योग से कार्यकुशलता बढ़ती है। आज हर व्यक्ति परेशान है, जिसका निवारण ध्यान क्रिया से संभव है। मनुष्य के जीवन में चुनौतियाँ पहले भी थीं और आगे भी रहेंगी।

दैनिक जागरण
10 दैनिक जागरण प्रयागराज, 18 दिसंबर 2019 प्रयागराज जागरण

योग से बढ़ती है कार्यकुशलता : प्रो. केएन सिंह

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। बौद्धिक सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि मन पर बुद्धि का नियंत्रण योग के द्वारा ही संभव है। योग से एकाग्रता उत्पन्न होती है। योग जीवन की विधा है। इससे कार्यकुशलता बढ़ती है। आज हर व्यक्ति परेशान है, जिसका निवारण ध्यान क्रिया से ही संभव है। उन्होंने कहा कि योग केवल आसन एवं प्राणायाम ही नहीं है बल्कि एक जीवन दृष्टि है। योग में प्रवीण होकर युवा अपने कैरियर को समृद्ध कर रहे हैं।

मुक्त विश्वविद्यालय के योग कार्यक्रमों में शिक्षार्थियों के प्रवेश की दिनोंदिन बढ़ती संख्या इसकी लोकप्रियता का परिचायक है। स्वागत क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक डॉ. अभिषेक सिंह ने किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने प्रशिक्षणार्थियों को स्वास्थ्य के लिए उपयोगी आसनों के बारे में बताया। योग प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह ने प्राणायाम, भ्रामरी, अनुलोम-विलोम, सूर्य नमस्कार आदि आसनों का प्रशिक्षण दिया।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
प्रयागराज 06

योग करने से बढ़ती है कार्य कुशलता

प्रयागराज। राजर्षि टंडन विवि के सरस्वती परिसर में मंगलवार को योग प्रशिक्षण शिविर का बौद्धिक सत्र आयोजित किया गया। इसमें कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि मन पर बुद्धि का नियंत्रण योग से संभव है। इससे कार्य कुशलता बढ़ती है। डॉ. अभिषेक सिंह ने स्वागत किया।

प्रदेश में मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं अब 30 से

प्रयागराज। प्रदेश में उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं जो 24, 26, 27 एवं 28 दिसम्बर को आयोजित थी, टाल दी गयी है, अब ये परीक्षायें क्रमशः 12, 13, 14 एवं 15 फरवरी को होगी। शेष परीक्षायें 30 दिसम्बर से पूर्ववत कार्यक्रमानुसार आयोजित की जायेगी। यह जानकारी परीक्षा नियंत्रक डॉ. गिरीश कुमार द्विवेदी ने देते हुए बताया कि दिसम्बर की परीक्षायें प्रदेश के 69 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जा रही है। प्रदेश भर में बनाये गये परीक्षा केन्द्रों पर लगभग 10 हजार परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। शिक्षार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड करके परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। सभी परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शितापूर्ण एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से परीक्षा कराने के लिए चाक चैबन्द व्यवस्था की गयी है। परीक्षा दो पालियों में सुबह 8.30 से 11.30 बजे तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक आयोजित की जायेगी।

8:35 PM 2.3KB/s
Live हिन्दुस्तान.com आपका शहर

राजर्षि टंडन मुक्त विवि की परीक्षाएं स्थगित

Live हिन्दुस्तान.com
हिन्दुस्तान टीम,मुरादाबाद
Updated: Sat, 21 Dec 2019 07:35 PM IST
अ+ अ-

राजर्षि टंडन मुक्त विवि की 24 दिसंबर से 28 दिसंबर तक होने वाली परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। केजीके डिग्री कॉलेज में राजर्षि टंडन मुक्त विवि के समन्वयक डॉ अनिलेष कुमार सिंह ने बताया कि 24 से 28 दिसंबर 2019 तक होने वाली परीक्षाएं नहीं होंगी। इसके बाद की परीक्षाएं परीक्षा कार्यक्रम के तहत संपन्न होंगी। स्थगित परीक्षाओं का क्रम 11 फरवरी के बाद शुरू होगा।

News Letter
मुक्त चिंतन
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित
A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj
हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां
22 दिसम्बर, 2019

सम्मान समारोह

*माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह को **''डिस्टिंग्वस्ड सर्विस एवार्ड''** से सम्मानित करते हुए संस्था के सदस्यगण*

मुविवि के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ''डिस्टिंग्वस्ड सर्विस एवार्ड'' से सम्मानित

सोसायटी ऑफ बॉयलाजिकल साइंसेज एण्ड रूरल डेवलपमेंट प्रयागराज एवं भारतीय गो विज्ञान सेवा समिति प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में हो रही सात दिवसीय कार्यशाला **''मेजर इनवायरमेंटल एण्ड एग्रीकल्चरल इशूज : न्यू डेवलपमेन्ट इन पॉलिसी एण्ड प्रेक्टिसेज''** पर उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह को संस्था द्वारा **''डिस्टिंग्वस्ड सर्विस एवार्ड''** से सम्मानित किया गया।

इस समारोह में संस्था द्वारा प्रकाशित संपादित पुस्तक **''इनोवेशन इन एग्रीकल्चर इन्वायर्नमेंट एण्ड हेल्थ रिसर्च फार इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन''** का विमोचन भी माननीय कुलपति महोदय के कर–कमलों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर प्रो0 ए0आर0 सिद्दीकी, डॉ0 हेमलता पन्त, डॉ0 डी0 स्वरूप, डॉ0 मनोज सिंह, डॉ0 ज्योति वर्मा एवं हर्षिता पन्त उपस्थित थे।

समारोह की कुछ झलकियाँ

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वगत करती हुई डॉ0 हेमलता पन्त

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह को

अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं एवार्ड भेंट करते हुए प्रो0 ए0आर0 सिद्दीकी, डॉ0 हेमलता पन्त, डॉ0 डी0 स्वरूप, डॉ0 मनोज सिंह, डॉ0 ज्योति वर्मा एवं हर्षिता पन्त

प्रो0 ए0आर0 सिद्दीकी अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं एवार्ड भेंट करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, डॉ0 हेमलता पन्त, डॉ0 डी0 स्वरूप, डॉ0 मनोज सिंह, डॉ0 ज्योति वर्मा एवं हर्षिता पन्त

पुस्तक विमोचन

सोसायटी ऑफ बॉयलाजिकल साइंसेज एण्ड रूरल डेवलपमेंट प्रयागराज एवं भारतीय गो विज्ञान सेवा समिति प्रयागराज द्वारा प्रकाशित संपादित पुस्तक **"इनोवेशन इन एग्रीकल्चर इन्वायर्नमेंट एण्ड हेल्थ रिसर्च फार इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन"** का विमोचन माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी के कर–कमलों द्वारा किया गया।

पुस्तक का विमोचन करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं संस्था के सदस्यगण।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

24 दिसम्बर, 2019

मुविवि में अटल बिहारी बाजपेयी जयन्ती के पूर्व संध्या पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर परिचर्चा

nhi izTToyu ,oa Hkkjr jRu vVy fcgkjh cktis;h th ds fp=k ij ekY;kiZ.k djrs gq, eq[; vfrfFk iwoZ mPp f'k{kk ea=kh] mRrj izns'k ljdkj MkW0 ujsUnz dqekj flag xkSj th

सिद्धान्तों में अटल रहने वाले थे अटल– डॉ0 गौर

जयंती की पूर्व संध्या पर मुक्त विश्वविद्यालय ने अटल जी को किया याद

दिनांक 24 दिसम्बर, 2019 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की अटल बिहारी बाजपेयी गुड गवर्नेस चेयर के तत्वाधान में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी के जन्म दिन की पूर्व संध्या पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार डॉ0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर जी रहे तथा समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ला जी ने की।

अटल बिहारी बाजपेयी गुड गवर्नेस चेयर के प्रभारी प्रो0 पी0के0 पाण्डेय ने विषय प्रवर्तन तथा अतिथियों का स्वागत किया। दूरस्थ शिक्षा जागरूकता प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ0 अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने संचालन एवं डॉ0 एस0 कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर समाज विज्ञान विद्याशाखा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, परामर्शदाता एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

dk;Zdze dk lapkyu djrs
gq, MkW0 vfuy dqekj

eq[; vfrfFk iwoZ mPp f'k{kk
ea=kh] mRrj izns'k ljdkj MkW0
ujsUnz dqekj flag xkSj th dks ,oa
izks0 th0,l0 'kqDy th dks iq"ixqPN

lHkkxkj esa
mifLFkr fo'ofo|ky;
ds vf/kdkjh] funs'kd]
f'k{kd ,oa deZpkjhx.k

विषय प्रवर्तन एवं माननीय अतिथियों का स्वागत करते हुए अटल बिहारी बाजपेयी शोधपीठ के प्रभारी प्रो0 प्रदीप कुमार पाण्डेय

सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, परामर्शदाता एवं कर्मचारीगण।

मुख्य अतिथि
डॉ0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर

सिद्धान्तों में अटल रहने वाले थे अटल– डॉ0 गौर

समारोह के मुख्य अतिथि डॉ0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर, पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री, उ0प्र0 सरकार ने इस अवसर पर कहा कि अटल जी प्रखर वक्ता एवं संवेदनशील कवि थे। अटल जी ने राजनीति में रहते हुए कभी सिद्धान्तों से समझौता नहीं किया। वे सिद्धान्तों में अटल रहने वाले अटल थे। सडक निर्माण के क्षेत्र में स्वर्णिम चतुर्भुज योजना में अटल जी का महत्वपूर्ण योगदान है। अटल जी की विदेश नीति सफल रही। अटल जी के नेतृत्व में देश में तेजी से प्रगति हुई। 1998 में अटल बिहारी बाजपेयी के नेतृत्व में पोखरन परीक्षण के बाद भारत को विश्व के मानचित्र में एक सशक्त देश के रूप में देखा जाने लगा। अटल जी ने महिलाओं की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया। डॉ0 गौर ने कहा कि संसद में अटल जी एवं आडवाणी जी की जोड़ी काफी मशहूर रही। देश को आज ऐसे नेताओं से शिक्षा ग्रहण करनी चाहिये।

सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय के निदेशक,
शिक्षक, अधिकारी, परामर्शदाता एवं कर्मचारीगण।

मुख्य अतिथि डॉ0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर जी
को
अंगवस्त्र प्रदान कर
उनका स्वागत करते हुए
अटल बिहारी बाजपेयी शोधपीठ के प्रभारी
प्रो0 प्रदीप कुमार पाण्डेय
एवं
स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक
प्रो0 जी0एस0 शुक्ला

प्रो0 जी0एस0 शुक्ला

समारोह के अध्यक्षता करते हुये स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी का व्यक्तित्व बहुत विराट था। उनके व्यक्तित्व का अनुसरण आज की युवा पीढी को करना चाहिये। प्रो0 शुक्ल ने कहा कि भारत भूमि में अटल बिहारी जैसे व्यक्तित्व बिरले ही पैदा होते हैं।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डॉ0 एस0 कुमार एवं राष्ट्रगान प्रस्तुत करती हुई डॉ0 रूचि बाजपेई

दैनिक जागरण
लखनऊ में खिलेगा अटल चिकित्सा विवि का कमल 13 | मोदी सरकार के दौरान नहीं खुले डिटेंशन सेंटर : शाह 15
6 दैनिक जागरण प्रयागराज, 25 दिसंबर 2019 | प्रयागराज जागरण

सिद्धांतों पर अटल रहने वाले थे 'अटल' : डॉ. गौर

जासं, प्रयागराज : पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी प्रखर वक्ता एवं संवेदनशील कवि थे। अटल जी ने राजनीति में रहते हुए कभी सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। वह सिद्धांतों पर अटल रहने वाले 'अटल' थे। ये बातें पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह गौर ने कहीं।

वह मंगलवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में अटल जी की जन्मतिथि की पूर्व संध्या पर अटल बिहारी वाजपेयी गुड गवर्नेंस चेयर के तत्वावधान में आयोजित परिचर्चा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण के क्षेत्र में स्वर्णिम चतुर्भुज योजना में अटल जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने कहा अटल जी की विदेश नीति सफल रही। उनके नेतृत्व में देश में तेजी से प्रगति हुई।

समारोह के अध्यक्षता करते हुये स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. जीएस शुक्ल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का व्यक्तित्व बहुत विराट था। अटल बिहारी वाजपेयी गुड गवर्नेंस चेयर के प्रभारी प्रो. पीके पांडेय ने विषय प्रवर्तन तथा अतिथियों का स्वागत किया। दूरस्थ शिक्षा जागरूकता प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने संचालन एवं डॉ. एस कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

मंगलवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में विचार रखते पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. नरेंद्र सिंह गौर • जागरण

हिन्दुस्तान
मेरी क्रिसमस 06

सिद्धांतों पर अटल रहने वाले थे अटल

प्रयागराज। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर संगोष्ठी आयोजित की गई। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह गौर ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने राजनीति में रहकर उच्च जीवन मूल्यों का आदर्श स्थापित कर एक सफल राजनेता के रूप में अपनी पहचान बनाई।

वह सिद्धांतों पर अटल रहने वाले राजनेता थे। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित संगोष्ठी में संयोजक प्रो. पीके पांडेय ने अतिथियों का स्वागत किया। अध्यक्षता स्वास्थ्य प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल और संचालन दूरस्थ शिक्षा जागरूकता प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. अनिल कुमार सिंह भदौरिया तथा धन्यवाद ज्ञापन पाठ्य सामग्री वितरण प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. संतोष कुमार ने किया।

अमर उजाला
प्रयागराज, बुधवार, 25 दिसंबर 2019
अमर उजाला | प्रयागराज | amarujala.com

अटल ने सिद्धांतों से कभी नहीं किया समझौता

प्रयागराज। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के नेतृत्व में देश में तेजी से प्रगति हुई। पोखरन परमाणु परीक्षण के बाद भारत को विश्व के मानचित्र पर सशक्त देश के रूप में देखा जाने लगा। उन्होंने कभी भी सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और इस मामले में वह हमेशा अटल रहे। यह बात पूर्व मंत्री डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह गौर ने पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती की पूर्व संध्या पर राजर्षि टंडन मुक्त विवि में आयोजित परिचर्चा में कही। कहा, सड़क निर्माण के क्षेत्र में स्वर्णिम चतुर्भुज योजना के रूप में अटल का देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। अटल की विदेश नीति भी हमेशा सफल रही। देश को आज ऐसे नेताओं से शिक्षा लेनी चाहिए। अटल बिहारी गुड गवर्नेंस चेयर के प्रभारी प्रो. पीके पांडेय ने विषय प्रवर्तन एवं अतिथियों का स्वागत किया। अध्यक्षता प्रो. जीएस शुक्ल एवं संचालन डॉ. अनिल भदौरिया ने किया।

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान में उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की छात्रा सुलक्षणा पाण्डेय का चयन

सुलक्षणा पाण्डेय D/0श्री वीरेन्द्र पाण्डेय ग्राम-रामे पाण्डेय का पूरा (भीटी) पोस्ट-भीटी जनपद-अम्बेडकरनगर का चयन योग प्रशिक्षक के पद पर (उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान) द्वारा अयोध्या मण्डल के लिए हुआ। सुलक्षणा पाण्डेय उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित अध्ययन केन्द्र (S-229)ग्रामोदय आश्रम पी जी कॉलेज सया,अम्बेडकर नगर से प्रथम बैच की PGYYO परास्नातक योग में डिप्लोमा प्रथम श्रेणी से सत्र- 2018 में उत्तीर्ण किया। ऐसे प्रतिभशाली छात्रा को हार्दिक शुभकामनाएं बधाई।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

25 दिसम्बर, 2019

eqfofo ds {ks=kh;
dsUnzksa ij Hkkjr jRu vVy
fcgkjh cktis;h
,oa
ia0 enu eksgu ekyoh;
t;Urh ij fofo/ vk;kstu

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्रो पर दिनांक 25 दिसम्बर, 2019 को भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी एवं पं0 मदन मोहन मालवीय की जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय केन्द्र बरेली

आज क्षेत्रीय कार्यालय, बरेली पर पूर्व प्रधान मंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की 96 वीं जयन्ती 25 दिसम्बर 2019 को सुशासन दिवस के रूप में मनाई गई जिसमें बरेली कालेज के प्राचार्य डा0 अनुराग मोहन ने दीपप्रज्ज्वलित कर अटल बिहारी वाजपेयी जी की फोटो पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर बरेली कालेज के वरिष्ठ शिक्षक डा0 एन0 के0 अग्रवाल, डा0 एस0 के0 शर्मा, डा0 आर0 के0 गुप्ता तथा सुरेन्द्र खण्डेलवाल (आई.वी.आर.आई., बरेली) भी उपस्थित रहे। क्षेत्रीय समन्वयक, डा. आर0 बी0 सिंह ने भारत रत्न राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन की फोटो पर माल्यार्पण किया तथा डा0 एन0 के0 अग्रवाल ने माँ सरस्वती जी की फोटो पर माल्यार्पण किया तथा केन्द्र पर उपस्थित सभी कर्मचारीगणों ने पुष्प अर्पित किये तथा मुख्य अतिथि ने इस अवसर पर श्री अटल विहारी वाजपेयी के विषय में कुछ रोचक संस्मरण सुनाए। कार्यक्रम के अन्त में सूक्ष्म जलपान का आयोजन किया गया।

ia0 vVy fcgkjh cktis;h ds izfr J)k lqeu vfiZr djrs gq, {ks=kh; dsUnz cjsyh dsa {ks=kh;
dsUnz leUo;d
\MkW0 vkj-ch- flag] vfrfFkx.k ,o a{ks=kh; dsUnz cjsyh ds deZpkjhx.kA

{ks=kh; dsUnz esjB

ia0 vVy fcgkjh cktis;h ds izfr J)k lqeu vfiZr djrh gqbZ
{ks=kh; dsUnz esjB dh {ks=kh; dsUnz leUo;d MkW0 iwue
xxZ ,o a{ks=kh; dsUnz esjB ds deZpkjhx.kA

{ks=kh; dsUnz >kWalh

{ks=kh; dsUnz v;ks६;k

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या , बी. एन. यस. गर्ल्स डिग्री कालेज जनौरा में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटल बिहारी वाजपेयी जी एवं महान शिक्षाविद, स्वंतत्रता संग्राम सेनानी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक प. मदन मोहन मालवीय जी के जन्मतिथि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर क्षेत्रीय समन्वयक डॉ शशि भूषण राम त्रिपाठी , अवध विश्वविद्यालय के कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ राजेश सिंह , इत्यादि लोगो ने पुष्प अर्पित कर उनको नमन किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीयता के अनन्य उपासक एवं अपने जीवन को सशक्त राष्ट्र के निर्माण में लगा देने वाले दोनों महान

प्रयागराज, गुरुवार
26 दिसंबर 2019
नगर संस्करण***
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 16

दैनिक जागरण

www.jagran.com

टि्वटर यूजर्स के डाटा में फिर लगी सेंध 14

उत्तर कोरिया के 'क्रिसमस गिफ्ट' से निपटने को अमेरिका तैयार 14

पर्यावरण संरक्षण के बगैर विकास संभव नहीं

संसू, पट्टी : पीजी कॉलेज पट्टी के विज्ञान संकाय के भवन का लोकार्पण उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर डॉ. केएन सिंह ने बुधवार को किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभागार में पर्यावरण एवं विकास विषय पर आयोजित गोष्ठी में कुलपति ने कहा कि पर्यावरण के संरक्षण के बगैर हम विकास की कल्पना नहीं कर सकते। आज पर्यावरण प्रदूषण के चलते तमाम समस्याएं जन्म ले रही हैं। इसके चलते हमारा विकास अधूरा है।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण का अर्थ सिर्फ परिवेश ही नहीं होता बल्कि पर्यावरण हवा, पानी और भूमि से मनुष्य के परस्पर संबंध को भी प्रदर्शित करता है। पर्यावरण और विकास एक दूसरे के विपरीत नहीं जा सकते, उन्हें एक दूसरे के पूरक होना चाहिए। अध्यक्षता करते हुए राजा हरपाल सिंह पीजी कॉलेज सिंगरामऊ के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय सिंह ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग और संसाधनों के रिक्तिकरण ने विश्व भर के निवासियों को प्रभावित किया है। इससे वह इस प्रगति के लाभ का आनंद नहीं ले पा रहे हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राम भजन अग्रहरि ने अतिथियों का स्वागत किया। महाविद्यालय में मुक्त विश्वविद्यालय के केंद्र प्रभारी डॉ. वीरेंद्र मिश्र ने चलने वाले विषयों के बारे में जानकारी दी। सरस्वती वंदना व स्वागत गीत महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। संचालन डॉ. सुनील विश्वकर्मा व सभी के प्रति आभार डॉ. विकास सिंह ने ज्ञापित किया। इस मौके पर डॉ. केपी सिंह, डॉ. जेपी पांडेय, डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी, डॉ. राकेश पांडेय, डॉ. बृजेश पांडेय, डॉ. प्रदीप शुक्ला, डॉ. रागिनी सोनकर सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

विज्ञान संकाय भवन का लोकार्पण करते राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति डॉ. केएन सिंह (उनके दाएं) प्राचार्य डॉ. राम भजन अग्रहरि व (बाएं) डॉ. संजय सिंह ● जागरण

आयोजन

- पीजी कालेज पट्टी के विज्ञान संकाय भवन का किया लोकार्पण
- पर्यावरण एवं विकास विषय पर हुई गोष्ठी

•••
वर्ष 23 । अंक 191। पृष्ठ : 16
मूल्य : छह रुपये
6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

अमर उजाला

प्रयागराज
बृहस्पतिवार, 26 दिसंबर 2019

amarujala.com | अहिंसा का संदेश | दलाईलामा बोले, चीन के पास बंदूक की ताकत है हमारे पास सच की ...13 | उत्तर प्रदेश

धराशायी होने के कगार पर है मानव और प्रकृति के बीच का संतुलन: प्रो.केएन सिंह

संवाद न्यूज एजेंसी

पट्टी। पीजी कालेज पट्टी में बुधवार को विज्ञान संकाय भवन का लोकार्पण राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह द्वारा किया गया। इसके

बचाने को हम सभी को आगे आना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डा. संजय सिंह विभागाध्यक्ष भूगोल सिंगरामऊ जौनपुर ने पर्यावरण असंतुलन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पर्यावरण का विश्वव्यापी संकट खड़ा हो गया है।

धवन ने शतक संग वापसी का जश्न मनाया पेज 14 | जीएसटी की सिर्फ दो दरें रखने का सुझाव पेज 15

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

स्क्रीन टेस्ट

आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा में काम करने के लिए करीना कपूर को भी स्क्रीन टेस्ट से गुजरना पड़ा। करीना इसे बड़ा मौका मानती है।

गुरुवार, 26 दिसंबर 2019, प्रयागराज, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, प्रतापगढ़ संस्करण www.livehindustan.com वर्ष 10, अंक 302, 18 पेज, मूल्य ₹ 6.00

सभ्यता के विकास में प्रकृति अहम

पट्टी। पीजी कॉलेज पट्टी में बुधवार को राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. केएन सिंह ने नवनिर्मित विज्ञान संकाय भवन का लोकार्पण किया। महाविद्यालय के सभागार में पर्यावरण एवं विकास विषय पर आयोजित व्याख्यान में कुलपति ने कहा कि आदिकाल से ही मानव एवं प्रकृति का अटूट संबंध रहा है। सभ्यता के विकास में प्रकृति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लेकिन मानव की बढ़ती भौतिकवादी महत्वाकांक्षाओं के कारण मानव और प्रकृति के बीच का संतुलन धराशायी होने के कगार पर है।इसे बचाने के लिए हम सभी को आगे आने की जरूरत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राजा हरपाल सिंह पीजी कॉलेज सिंगरामऊ के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय सिंह ने कहा कि पर्यावरण असंतुलन का विश्वव्यापी संकट खड़ा हो रहा है। यदि विकास की यही वर्तमान प्रवीण जारी रहती है तो पृथ्वी पर जीवन खतरे में पड़ सकता है। प्राचार्य डा. राम भजन अग्रहरि ने सभी का स्वागत करते हुए विद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। महाविद्यालय में मुक्त विश्वविद्यालय केंद्र के प्रभारी डा. वीरेंद्र मिश्र ने केंद्र की प्रगति आख्या प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय में चलने वाले मुक्त विश्वविद्यालय के विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। संचालन डा. सुनील विश्वकर्मा व आभार डा. विकास सिंह ने ज्ञापित किया। डा. जे पी पांडेय, डा. मिथिलेश त्रिपाठी, डा. राकेश पांडेय, डा. के पी सिंह, डा. प्रदीप , डा. बृजेश पांडेय, डा. रागिनी सोनकर आदि मौजूद रहे।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

27 दिसम्बर, 2019

मुविवि में पाठ्य सामग्री लेखन कार्यशाला आयोजन

बीएचयू के विद्वान प्रोफेसर रामबली सिंह जी उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पाठ्य सामग्री लेखन कार्यशाला में उपयोगी सझाव देते हए।

प्रो0रामबली सिंह

पाठ लेखन में उपयोगी एवं स्पष्ट मानक निर्धारित किए जाएं- प्रोफेसर सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय में पाठ्य सामग्री लेखन कार्यशाला आयोजित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में दिनांक 27 दिसम्बर, 2019 को पाठ्य सामग्री लेखन प्रकोष्ठ तथा समाज विज्ञान विद्याशाखा के संयुक्त तत्वाधान में शोध अध्ययन सामग्री लेखन कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया है। कार्यशाला के मुख्य अतिथि जाने–माने भूगोलवेत्ता तथा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के प्रोफेसर रामबली सिंह जी (अवकाश प्राप्त) रहे। कार्यशाला की अध्यक्षता कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत समाज विज्ञान विद्या शाखा के प्रभारी प्रोफेसर सुधांशु त्रिपाठी ने किया। संचालन श्री रमेश चंद यादव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन पाठ्य सामग्री प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ एस कुमार ने किया। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने भूगोल विषय के पाठ्यक्रम लेखकों को पाठ्य लेखन के महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी।

संचालन *करते हुए* ***श्री रमेश चंद यादव*** *एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण*

पाठ्य सामग्री लेखन कार्यशाला में उपस्थित विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, परामर्शदाता एवं प्रतिभागीगण।

अतिथियों का स्वागत *करते हुए* ***समाज विज्ञान विद्या शाखा के प्रभारी प्रोफेसर सुधांशु त्रिपाठी***

पाठ्य सामग्री लेखन कार्यशाला में उपस्थित विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, परामर्शदाता एवं प्रतिभागीगण।

अध्ययन सामग्री लेखन कार्यशाला में शिक्षकों के जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए प्रो0 रामबली सिंह।

पाठ्य सामग्री लेखन कार्यशाला में उपस्थित विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, परामर्शदाता एवं प्रतिभागीगण।

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि जाने-माने भूगोलवेत्ता तथा काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रामबली सिंह

पाठ लेखन में उपयोगी एवं स्पष्ट मानक निर्धारित किए जाएं- प्रोफेसर सिंह

कार्यशाला के मुख्य अतिथि जाने-माने भूगोलवेत्ता तथा काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रामबली सिंह ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा प्रणाली स्वाध्याय की पाठ्य सामग्री पर आधारित है। दूरस्थ प्रणाली में व्यवहार मूलक एवं कौशल सिखाने वाली अध्ययन सामग्री का निर्माण बहुत दुरूह कार्य हैं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि आज आवश्यकता है कि स्तरीय पाठ्य सामग्री का निर्माण किया जाए तथा उसकी विश्वसनीयता के लिए उपयोगी एवं स्पष्ट मानक निर्धारित किए जाएं।

कार्यशाला में अपने विचार व्यक्त करतक हुए प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा के निदेशक, प्रो0 ओमजी गुप्ता

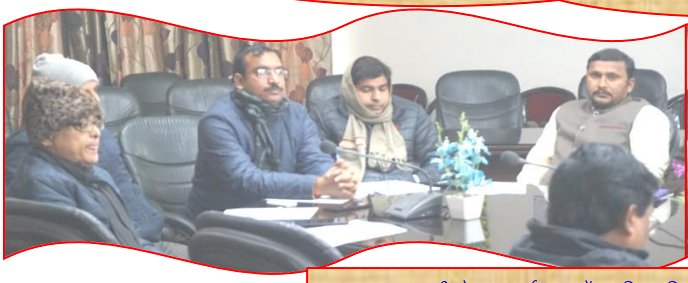

पाठ्य सामग्री लेखन कार्यशाला में उपस्थित विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, परामर्शदाता एवं प्रतिभागीगण।

लेखन में दक्षता आवश्यक है : प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से तैयार पाठ्य सामग्री की साख बढ़ी है और इसका लाभ देश के अन्य मुक्त विश्वविद्यालय उठा रहे हैं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि लेखन में दक्षता आवश्यक है, इसकी गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। रेगुलेशन 2017 आने के बाद अमूल चूल परिवर्तन हुआ है । यूजीसी के मानक के अनुसार क्रेडिट तैयार करना है। उन्होंने पाठ्यक्रम लेखकों से आग्रह किया कि मार्च 2020 तक पाठ्यक्रम लेखन पूर्ण कर लें।

कार्यशाला में अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह।

पाठ्य सामग्री लेखन कार्यशाला में उपस्थित विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, परामर्शदाता एवं प्रतिभागीगण।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए पाठ्य सामग्री प्रकोष्ठ के

आनंदी मेल

हिन्दी दैनिक) लखनऊ, शनिवार, 28 दिसम्बर 2019 R.N.I No.UPHIN/2009/29300 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2 रुपए

स्तरीय पाठ्य सामग्री का निर्माण किया जाए : रामबली सिंह

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पाठ्य सामग्री लेखन प्रकोष्ठ तथा समाज विज्ञान विद्या शाखा के संयुक्त तत्वावधान में शोध अध्ययन सामग्री लेखन कार्यशाला का आयोजन शुक्रवार को लोकमान्य तिलक सभागार में किया गया ।कार्यशाला के मुख्य अतिथि जाने-माने भूगोलवेत्ता तथा काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रामबली सिंह(अवकाश प्राप्त) ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा प्रणाली स्वाध्याय की पाठ्य सामग्री पर आधारित है।

दूरस्थ प्रणाली में व्यवहार मूलक एवं कौशल सिखाने वाली अध्ययन सामग्री का निर्माण बहुत दुरूह कार्य हैं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि आज आवश्यकता है कि स्तरीय पाठ्य सामग्री का निर्माण किया जाए तथा उसकी विश्वसनीयता के लिए उपयोगी एवं स्पष्ट मानक निर्धारित किए जाएं ।अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से तैयार पाठ्य सामग्री की साख बढ़ी है और इसका लाभ देश के अन्य मुक्त विश्वविद्यालय उठा रहे हैं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि लेखन में दक्षता आवश्यक है इसकी गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। रेगुलेशन 2017 आने के बाद अमूल चूल परिवर्तन हुआ है । यूजीसी के मानक के अनुसार क्रेडिट तैयार करना है। उन्होंने पाठ्यक्रम लेखकों से आग्रह किया कि मार्च 2020 तक पाठ्यक्रम लेखन पूर्ण कर लें ।प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत समाज विज्ञान विद्या शाखा के प्रभारी प्रोफेसर सुधांशु त्रिपाठी ने किया। संचालन श्री रमेश चंद यादव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन पाठ्य सामग्री प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ एस कुमार ने किया। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने भूगोल विषय के पाठ्यक्रम लेखकों को पाठ्य लेखन के महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी।

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

प्रयागराज, शनिवार, 28 दिसम्बर 2019 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

स्वाध्याय की पाठय सामग्री पर आधारित है दूरस्थ शिक्षा प्रणाली-प्रो रामबली सिंह

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पाठ्य सामग्री लेखन प्रकोष्ठ तथा समाज विज्ञान विद्या शाखा के संयुक्त तत्वावधान में शोध अध्ययन सामग्री लेखन कार्यशाला का आयोजन शुक्रवार को लोकमान्य तिलक सभागार में किया गया ।कार्यशाला के मुख्य अतिथि जाने–माने भूगोलवेत्ता तथा काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रामबली सिंह(अवकाश प्राप्त) ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा प्रणाली स्वाध्याय की पाठ्य सामग्री पर आधारित है। दूरस्थ प्रणाली में व्यवहार मूलक एवं कौशल सिखाने वाली अध्ययन सामग्री का निर्माण बहुत दुरूह कार्य हैं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि आज आवश्यकता है कि स्तरीय पाठ्य सामग्री का निर्माण किया जाए तथा उसकी विश्वसनीयता के लिए उपयोगी एवं स्पष्ट मानक निर्धारित किए जाएं ।अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से तैयार पाठ्य सामग्री की साख बढ़ी है और इसका लाभ देश के अन्य मुक्त विश्वविद्यालय

उठा रहे हैं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि लेखन में दक्षता आवश्यक है इसकी गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। रेगुलेशन 2017 आने के बाद अमूल चूल परिवर्तन हुआ है । यूजीसी के मानक के अनुसार क्रेडिट तैयार करना है। उन्होंने पाठ्यक्रम लेखकों से आग्रह किया कि मार्च 2020 तक पाठ्यक्रम लेखन पूर्ण कर लें ।प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत समाज विज्ञान विद्या शाखा के प्रभारी प्रोफेसर सुधांशु त्रिपाठी ने किया। संचालन श्री रमेश चंद यादव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन पाठ्य सामग्री प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ एस ... ने किया। कार्य... सत्र में ... कामेश्वर ... विषय के ... को पाठ्य लेखन के ... की जानकारी दी।

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

www.livehindustan.com

युवा | आज का दिन | हिन्दुस्तान 04

अध्ययन के लिए स्तरीय पाठ्य सामग्री तैयार करें

कार्यशाला

प्रयागराज | मुख्य संवाददाता

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में शुक्रवार को शोध अध्ययन सामग्री लेखन कार्यशाला हुई। पाठ्य सामग्री लेखन प्रकोष्ठ तथा समाज विज्ञान विद्या शाखा की ओर से आयोजित इस कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि जाने-माने भूगोलवेत्ता तथा काशी हिन्दू विवि के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर रामबली सिंह शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा प्रणाली स्वाध्याय की पाठ्य सामग्री पर आधारित है। आवश्यकता है कि स्तरीय पाठ्य सामग्री तैयार की जाए तथा उसकी विश्वसनीयता के लिए उपयोगी एवं स्पष्ट मानक निर्धारित किए जाएं। अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि मुक्त विवि की ओर से तैयार पाठ्य सामग्री की साख बढ़ी है। इसका लाभ देश के अन्य मुक्त विश्वविद्यालय उठा रहे हैं। उन्होंने पाठ्यक्रम लेखकों से आग्रह किया कि मार्च 2020 तक पाठ्यक्रम लेखन पूर्ण कर लें।

अमर उजाला

amarujala.com

प्रयागराज । शनिवार । 28 दिसंबर 2019

SELECT

अमर उजाला www.amarujala.com

प्रयागराज CITY प्रयागराज । शनिवार। 28 दिसंबर 2019 4

शोध अध्ययन सामग्री लेखन पर हुआ मंथन

मुक्त विश्वविद्यालय में कार्यशाला का आयोजन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शोध अध्ययन सामग्री लेखन पर शुक्रवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि भूगोलवेत्ता प्रो. रामबली सिंह ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा प्रणाली स्वाध्याय की पाठ्य सामग्री पर आधारित है।

दूरस्थ प्रणाली में व्यवहार मूलक एवं कौशल सिखाने वाली अध्ययन सामग्री का निर्माण बहुत दुरूह कार्य है। अध्यक्षता करते हुए प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से तैयार पाठ्य सामग्री की साख बढ़ी है और इसका लाभ देश के अन्य मुक्त विश्वविद्यालय उठा रहे हैं। संचालन रमेश चंद यादव, स्वागत प्रो. सुधांशु त्रिपाठी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. एस. कुमार ने किया।

लखनऊ संस्करण
वर्ष-04, अंक -67
शनिवार, 28 दिसंबर, 2019
पृष्ठ 12
मूल्य 3 रु*
देश का सबसे विश्वसनीय अखबार
दैनिक भास्कर
सतत विकास लक्ष्य नौ
9 INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE
उद्योग, नवोन्मेष और बुनियादी ढांचा
For epaper → www.updainikbhaskar.com लखनऊ, नोएडा, वाराणसी, झांसी और देहरादून से प्रकाशित
06 भारत में नागरिक हित तो अमेरिका में राष्ट्रहित सर्वोपरि!

दिल्ली से लखनऊ आने वाली एयर इंडिया की एआई-811 फ्लाइट 35 मिनट, इंडिगो की 6ई-5003 आधे घंटे लेट रही।

शोध अध्ययन सामग्री लेखन कार्यशाला का आयोजन

भास्कर न्यूज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पाठ्य सामग्री लेखन प्रकोष्ठ तथा समाज विज्ञान विद्या शाखा के संयुक्त तत्वावधान में शोध अध्ययन सामग्री लेखन कार्यशाला का आयोजन शुक्रवार को लोकमान्य तिलक सभागार में किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि जाने-माने भूगोलवेत्ता तथा काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रामबली सिंह (अवकाश प्राप्त) ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा प्रणाली स्वाध्याय की पाठ्य सामग्री पर आधारित है। दूरस्थ प्रणाली में व्यवहार मूलक एवं कौशल सिखाने वाली अध्ययन सामग्री का निर्माण बहुत दुरूह कार्य हैं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि आज आवश्यकता है कि स्तरीय पाठ्य सामग्री का निर्माण किया जाए तथा उसकी विश्वसनीयता के लिए उपयोगी एवं स्पष्ट मानक निर्धारित किए जाएं। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से तैयार पाठ्य सामग्री की साख बढ़ी है और इसका लाभ देश के अन्य मुक्त विश्वविद्यालय उठा रहे हैं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि लेखन में दक्षता आवश्यक है इसकी गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। रेगुलेशन 2017 आने के बाद अमूल चूल परिवर्तन हुआ है । यूजीसी के मानक के अनुसार क्रेडिट तैयार करना है। उन्होंने पाठ्यक्रम लेखकों से आग्रह किया कि मार्च 2020 तक पाठ्यक्रम लेखन पूर्ण कर लें। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत समाज विज्ञान विद्या शाखा के प्रभारी प्रोफेसर सुधांशु त्रिपाठी ने किया। संचालन श्री रमेश चंद यादव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन पाठ्य सामग्री प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ एस कुमार ने किया। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने भूगोल विषय के पाठ्यक्रम लेखकों को पाठ्य लेखन के महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी।

प्रयागराज, शनिवार
28 दिसंबर 2019
नगर संस्करण
दैनिक जागरण
www.jagran.com
युवाओं के लिए शुरू होगी 'कौशल सतरंग' योजना 10 राहुल एंड कंपनी बताए, किसकी नागरिकता छीन रही सरकार 11

पाठ्य लेखनी में निर्धारित हो स्पष्ट मानक

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : आज जरूरत है कि पाठ्य लेखनी कर विश्वसनीयता के लिए उपयोगी एवं स्पष्ट मानक निर्धारित किए जाएं। यह बातें शुक्रवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पाठ्य सामग्री लेखन प्रकोष्ठ तथा समाज विज्ञान विद्या शाखा के संयुक्त तत्वावधान में शोध अध्ययन सामग्री लेखन कार्यशाला में मुख्य अतिथि काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रामबली सिंह ने कहीं।

कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ● जागरण

उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा प्रणाली स्वाध्याय की पाठ्य सामग्री पर आधारित है। दूरस्थ प्रणाली में व्यवहार मूलक एवं कौशल सिखाने वाली अध्ययन सामग्री का निर्माण बहुत कठिन कार्य है। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से तैयार पाठ्य सामग्री की साख बढ़ी है। इसका लाभ देश के अन्य मुक्त विश्वविद्यालय उठा रहे हैं। प्रो. सिंह ने कहा लेखन में दक्षता आवश्यक है। इसकी गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। रेगुलेशन 2017 आने के बाद अमूल चूल परिवर्तन हुआ है। उन्होंने पाठ्यक्रम लेखकों से आग्रह किया कि मार्च 2020 तक पाठ्यक्रम लेखन पूर्ण कर लें। अतिथियों का स्वागत समाज विज्ञान विद्या शाखा के प्रभारी प्रो. सुधांशु त्रिपाठी और संचालन रमेश चंद यादव तथा धन्यवाद ज्ञापन पाठ्य सामग्री प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. एस कुमार ने किया। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में कुलपति ने भूगोल विषय के पाठ्यक्रम लेखकों को पाठ्य लेखन के महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी।

अमर उजाला
amarujala.com
शाह बोले राहुल को चुनौती, सीएए में नागरिकता छीनने का प्रावधान है तो बताएं...12
अमर उजाला प्रयागराज amarujala.com

शोध अध्ययन सामग्री लेखन पर हुआ मंथन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शोध अध्ययन सामग्री लेखन पर शुक्रवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि भूगोलवेत्ता प्रो. रामबली सिंह ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा प्रणाली स्वाध्याय की पाठ्य सामग्री पर आधारित है। दूरस्थ प्रणाली में व्यवहार मूलक एवं कौशल सिखाने वाली अध्ययन सामग्री का निर्माण बहुत दुरूह कार्य है। अध्यक्षता करते हुए प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से तैयार पाठ्य सामग्री की साख बढ़ी है और इसका लाभ देश के अन्य मुक्त विश्वविद्यालय उठा रहे हैं।

RNI No.-UPHIN/2012/44803
हिन्दी दैनिक
Email : harbaatftp @gmail.com

हर बात

यूपी, एमपी, छत्तीसगढ़ व हरियाणा में प्रसारित

वर्ष : 08 अंक : 338 फतेहपुर, शनिवार, 28 दिसम्बर 2019, पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शोध अध्ययन सामग्री लेखन कार्यशाला का आयोजन

हर बात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पाठ्य सामग्री लेखन प्रकोष्ठ तथा समाज विज्ञान विद्या शाखा के संयुक्त तत्वावधान में शोध अध्ययन सामग्री लेखन कार्यशाला का आयोजन शुक्रवार को लोकमान्य तिलक सभागार में किया गया।कार्यशाला के मुख्य अतिथि जाने-माने भूगोलवेत्ता तथा काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रामबली सिंह(अवकाश प्राप्त) ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा प्रणाली स्वाध्याय की पाठ्य सामग्री पर आधारित है। दूरस्थ प्रणाली में व्यवहार मूलक एवं कौशल सिखाने वाली अध्ययन सामग्री का निर्माण बहुत दुरूह कार्य है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि आज आवश्यकता है कि स्तरीय पाठ्य सामग्री का निर्माण किया जाए तथा उसकी विश्वसनीयता के लिए उपयोगी एवं स्पष्ट मानक निर्धारित

किए जाएं।अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से तैयार पाठ्य सामग्री की साख बढ़ी है और इसका लाभ देश के अन्य मुक्त विश्वविद्यालय उठा रहे हैं।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि लेखन में दक्षता आवश्यक है इसकी गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। रेगुलेशन 2017 आने के बाद अमूल चूल परिवर्तन हुआ है । यूजीसी के मानक के अनुसार क्रेडिट तैयार करना है।

उन्होंने पाठ्यक्रम लेखकों से आग्रह किया कि मार्च 2020 तक पाठ्यक्रम लेखन पूर्ण कर लें।प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत समाज विज्ञान विद्या शाखा के प्रभारी प्रोफेसर सुधांशु त्रिपाठी ने किया। संचालन रमेश चंद यादव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन पाठ्य सामग्री प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ एस कुमार ने किया। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने भूगोल विषय के पाठ्यक्रम लेखकों को पाठ्य लेखन के महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

31 दिसम्बर, 2019

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षायें प्रारम्भ

मा0 कुलपति जी ने किया परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र दिसम्बर– 2019 की परीक्षायें दिनांक 30 दिसम्बर, 2019 को प्रदेश के 69 परीक्षा केन्द्रों में शान्तिपूर्ण ढंग से प्रारम्भ हुई। परीक्षायें दो पालियों में प्रातः 8:30 से 11:30 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक पूर्ण पारदर्शिता एवं शुचितपूर्ण ढंग से आयोजित की जा रही है। भीषण ठंण्डी को देखते हुए सभी परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त मात्रा में ओलाव जलाने, जल एवं प्रकाश की व्यवस्था की गयी है।

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने आज विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। कुलपति प्रो0 सिंह ने विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने सी0यू0जी0 मोबाइल से परीक्षार्थियों की समस्याओं के निस्तारण में सहयोग प्रदान करें। परीक्षा नियंत्रक डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी ने बताया कि मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर सभी जगह शान्तिपूर्ण ढंग से परीक्षायें प्रारम्भ हुई। केन्द्राध्यक्षों की निगरानी में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाकादलों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया। परीक्षायें 15 फरवरी, 2020 को समाप्त होंगी।

fo'ofo|ky; ds lj Lorh ifjlj fLFkr ijh{kk dsUnz dk vkSpd fujh{k.k djrs gq, ekuuh; dqyifr izks0 dkes'oj ukFk flag th